www.batterybusiness.in

वर्ष-1 अंक-9, जून-2022

बैटरी, सोलर और इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े व्यापारियों के लिए

बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक **Battery Business**

समाचार • व्यापार • प्रचार • प्रसार

उभरता बैटरी ब्रांड

काव्य-आलेख-कहानी सहित

SuperStik™
....चिपका रहे !
Super
SPECIALIZED
BATTERY STICKER
KABHI SATH
NA CHHODE
STRONG ADHESIVE
Any Query : +91-9582593779
9910183526
9971293665

संकलक-संपादक

विनय कुमार भक्त

साहित्यिक संपादक मंडल :

माधुरी वर्मा-वाराणसी, डॉ. आशा सिन्हा-पटना
निशा भास्कर-दिल्ली, रेणु कुमारी -पटना
पायल राधा जैन -इटावा, उ.प्र.
मणिकर्णिका पांचाल सूर्यवंशी-दिल्ली
आशुतोष तिवारी -जोधपुर
डॉ. भागवान सहाय मीना -जयपुर
बुद्धप्रिय सुरेश सौरभ गाजीपुरी -गाजीपुर, उ.प्र.

यह सभी पद अवैतनिक हैं ।

डिजाईन, ग्राफ़िक्स टीम :

प्रमोद कुमार
राहुल कुशवाहा

उत्पादन अधिकारी

विजय कुमार सिंह

प्रिंटिंग :

एम.आर. डिजिटल, नारायणा, दिल्ली

प्रिंटेड कॉपी मूल्य : ***रुपये 120/-***
डाक खर्च सहित

सम्पादकीय कार्यालय :
डिजाईनवर्ल्ड
डब्लू जेड -572 एन, बैक साइड,
नारायणा गाँव, दिल्ली-110028
संपर्क : 9582593779
Email : info@batterybusiness.in
Website : www.batterybusiness.in

पत्रिका में प्रकाशित लेखों से संपादक, प्रकाशक, मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है ।

बैटरी व्यापार ई-पत्रिका है । पाठकों की मांग पर शुल्क लेकर प्रिंटेड पत्रिका डाक द्वारा भेजी जा सकती है ।

कलम कहे हमारी बात

नमस्कार दोस्तों,

बैटरी व्यापार का जून 2022 का अंक अवलोकनार्थ आपलोगों के पास है। बैटरी व्यापार, सोलर उद्योग व इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े कारोबारियों का रूझान बैटरी व्यापार पत्रिका के तरफ बढ़ता जा रहा है। **बैटरी व्यापार** का प्रचार-प्रसार व प्रकाशन **डिजाइनवर्ल्ड** के द्वारा किया जाता है। **डिजाइनवर्ल्ड** बैटरी व्यापारियों के साथ हमेशा से जुड़ा रहा है। डिजाइनवर्ल्ड का प्रयास रहा है कि बैटरी व्यापार, सोलर इंडस्ट्री, इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े कारोबारी एक मंच पर आएं। 2 वर्ष पहले मैंने सोशल मीडिया फेसबुक, लिंक्डइन पर भी बैटरी व्यापारियों के लिए पेज और ग्रुप बनाया था जिससे बहुत से व्यापारियों को इसका लाभ मिला है। एक छोटा सा करोबारी देश के साथ-साथ विदेशों तक अपनी ब्रांड की जानकारी आसानी से पहुंचा सकता है और इसका श्रेय बैटरी व्यापार पत्रिका के साथ-साथ सोशल मीडिया पर बने ग्रुप को जाता है।

मुझे इस बात का भी हर्ष है कि बैटरी व्यापार पत्रिका से बहुत लोग प्रेरित हैं। इस बात का अंदाजा मैंने सोशल मीडिया के माध्यम से लगाया है। एक बार फिर मैं बताना चाहता हूं कि बैटरी व्यापार **वोकल फोर लोकल** (Vocal for Local) का काम कर रहा है। छोटे-छोटे व्यापारियों के प्रचार-प्रसार का काम कर रहा है। ऐसा कार्य करने वाला बैटरी व्यापार ग्रुप व पत्रिका पहला साधन है, इसे नकारा नहीं जा सकता।

मैं एक बात अब भी कह रहा हूं कि इस पत्रिका के माध्यम से आप अपनी व्यापार की जानकारी, कारोबार की जानकारी जन-जन तक पहुंचा सकते हैं, वह भी निःशुल्क। इस पत्रिका में बैटरी उद्योग, सोलर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग से जुड़े कारोबारी अपने बिजनेस को लोगों तक साझा कर सकते हैं जिससे आपके व्यापार के बढ़ने में सहायता मिल सकती है। इस पत्रिका से साहित्यकार भी जुड़े है उनकी रचनाएं भी लोगों तक पहुंचती है और उसे पसंद भी किया जाता है।

निष्कर्ष यह निकलता है कि बैटरी व्यापार पहला ऐसा साधन है जिससे छोटे-छोटे कारोबारी भी अपने ब्रांड को देश-विदेशों में पहुंचा सकता है। अगर सही मायने में इसके पाठकों की बात करें तो **बैटरी व्यापार ग्रुप में 105000 सदस्य हैं,** इसके अलावा एक ग्रुप **साहित्य उत्थान है इसमें भी इसके 20000 लोग हैं,** जो बैटरी व्यापार पत्रिका में रूचि रखते है। बैटरी व्यापार इस तरह का पहला प्रकाशन है जिसमें व्यापार, समाचार, साहित्य आदि से जुड़े लोगों का पसंद बन चुका है। अगर आप अभी तक इस पत्रिका में अपनी जानकारी नहीं दिया है तो अब जरूर दें।

धन्यवाद!

विनय कुमार भक्त
info@batterybusiness.in
www.batterybusiness.in

वर्ष-01 अंक-09 जून-2022

इस अंक में.....

05 समाचार

Exide-Leclanche JV भारत के बैटरी प्लांट में उत्पादन बढ़ाएगी

इन्वर्टर बैटरी बाजार तेजी से बढ़ रहा है

06 समाचार

टाटा पावर सोलर ने शुरू किया भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्रोजेक्ट

इंडियन ऑयल ने इनडोर सोलर कुकिंग स्टोव 'सूर्य नूतन' का अनावरण किया

07 समाचार

एमजी एयर स्मॉल ईवी 2023 की शुरुआत में भारत में आ रही है

VW अगले साल भारत में पहला EV चलाएगा

इलेक्ट्रिक वाहन 5 वर्षों में ऑटो कैपेक्स को 70,630 करोड़ रुपये बढ़ाएंगे

08 विशेष

अमारा राजा एक नई शक्ति के साथ अग्रसर

09 विशेष

भारत सौर ऊर्जा बाजार: 2022 में साल-दर-साल 37.31% विकास दर

11 विशेष

बैटरी भंडारण और स्मार्ट नियंत्रण के साथ सक्षम भारत का पहला 24 / 7 सौर-संचालित शहर

13 समाचार

चीनी फर्म इलेक्ट्रिक बैटरी बनाती है जो एक बार चार्ज करने पर 1,000 किलोमीटर की दूरी तय करती है

तेजस एक उभरता हुआ बैटरी ब्रांड है

15 विशेष

ईवी मार्केट में बैटरी स्वैपिंग के प्रसार से ग्राहकों को कैसे लाभ होगा : एक नजर

16

18 साहित्य : काव्य

गर्मी की धूप-गाँव और शहर की

धरती पर ईश्वर रूप | तय है

19

20

21 साहित्य : काव्य

बोलती तस्वीर | याद

कांक्रीट जैसे पाँव

22 साहित्य : काव्य

हौसला

विज्ञापन

पृष्ठ : 2, 10, 12, 14, 22, 23, 24

Exide-Leclanche JV भारत के बैटरी प्लांट में उत्पादन बढ़ाएगी

nexcharge
Exide Leclanche Energy Private Limited

नेक्सचार्ज, भारतीय बैटरी निर्माता एक्साइड इंडस्ट्रीज और स्विट्जरलैंड के लेक्लेंच एसए के बीच एक संयुक्त उद्यम, चार साल के भीतर अपने लिथियम-आयन बैटरी संयंत्र में उत्पादन को 100% तक बढ़ा देगा। यह जानकारी कंपनी के सीईओ द्वारा प्राप्त हुई है।

मुख्य कार्यकारी स्टीफन लुइस का अनुसार संयंत्र, जहां उसने बैटरी का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया है, वर्तमान में 1.5 गीगावाट घंटे (जीडब्ल्यूएच) की कुल स्थापित क्षमता के 30% -40% पर काम कर रहा है।

लुइस ने कहा कि हमारे पास अगले कुछ वर्षों के लिए ग्राहकों की मांग को पूरा करने की क्षमता है। कंपनी गतिशीलता और उपयोगिता क्षेत्रों की मांग को पूरा करने के लिए "फास्ट-ट्रैक" पर है।

नेक्सचार्ज ने कहा कि उसने अब तक संयंत्र के निर्माण और स्थापना में 2.5 अरब रुपये (33 मिलियन डॉलर) का निवेश किया है, जिसमें एक सेल परीक्षण प्रयोगशाला भी है।

नेक्सचार्ज द्वारा यह बात तब सामने आयी जब भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार स्थानीय स्तर पर कंपनियों को स्वच्छ कार और बैटरी सहित उनके घटकों के निर्माण के लिए अरबों डॉलर का प्रोत्साहन दे रही है।

भारत के कार्बन कटौती और जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन और स्वच्छ ऊर्जा महत्वपूर्ण हैं।

नेक्सचार्ज एक्साइड लेक्लेन्च एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड का एक ब्रांड है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की माला में वृद्धि करने वाली प्रौद्योगिकियों को विकसित करके स्थायी ऊर्जा समाधानों की दिशा में दुनिया के परिवर्तन को तेजी से ट्रैक करने के लिए है, जिससे जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करने में मदद मिलती है।

नेक्सचार्ज लक्ष्य ई-परिवहन समाधानों का अग्रणी आपूर्तिकर्ता बनना है जो कुशल और विश्वसनीय ऊर्जा भंडारण समाधानों के रूप में परिवहन के विद्युतीकरण को शक्ति प्रदान करेगा। हमारा उद्देश्य उद्योग और उपयोगिता बाजारों के विविध क्षेत्रों को अत्याधुनिक उत्पादों और विभिन्न रसायन शास्त्र की ली-आयन बैटरी के माध्यम से उपलब्ध कराए गए एंड-टू-एंड समाधान के साथ पूरा करना है। एनएमसी, एलएफपी, एलटीओ आदि।

अपने मिशन को पूरा करने के लिए, नेक्सचार्ज ने प्रान्तिज, साबरकांठा, गुजरात में ली-आयन बैटरी पैक, मॉड्यूल (पाउच/प्रिज्मेटिक/बेलनाकार) और सेल परीक्षण प्रयोगशालाओं की पूरी तरह से स्वचालित असेंबली लाइनों से लैस भारत का सबसे बड़ा कारखाना बनाया है।

नेक्सचार्ज को बैंगलोर में एक अत्याधुनिक, इन-हाउस आर एंड डी सुविधा द्वारा भी समर्थित किया जाता है। इंजीनियरों की एक अच्छी तरह से संसाधन वाली टीम ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार बैटरी पैक डिजाइन करने का काम करती है और प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद पेश करती है।

इन्वर्टर बैटरी बाजार तेजी से बढ़ रहा है

इन्टरनेट से जानकारी मिली है कि ग्लोबल इन्वर्टर बैटरी मार्केट डेटा सर्वे रिपोर्ट एचटीएफ एमआई द्वारा जारी नवीनतम शोध अध्ययन है जो बाजार जोखिम पक्ष विश्लेषण का मूल्यांकन करता है, अवसरों को उजागर करता है और रणनीतिक और सामरिक निर्णय लेने के समर्थन (2022-2027) के साथ लीवरेज करता है। यह अध्ययन प्राथमिक डेटा और द्वितीयक स्रोतों के माध्यम से प्रमुख रूप से एकत्रित और मान्य किए गए गुणात्मक और मात्रात्मक बाजार डेटा का एक आदर्श मिश्रण है। रिपोर्ट बाजार के रुझान और विकास, विकास ड्राइवरों, प्रौद्योगिकियों और ग्लोबल इन्वर्टर बैटरी मार्केट की बदलती निवेश संरचना के बारे में जानकारी प्रदान करती है। अध्ययन में शामिल कुछ प्रमुख खिलाड़ियों में एसएमए सोलर टेक्नोलॉजी एजी, ज़ैंट्रेक्स टेक्नोलॉजी, ओकाया, एक्साइड, ड्यूरासेल पॉवरमैट, श्नाइडर इलेक्ट्रिक, एमरॉन बैटरीज, टाटा ऑटोकॉम्प जीवाई बैटरीज प्राइवेट, सेंसटा टेक्नोलॉजीज, इंक, महिंद्रा पॉवरोल लिमिटेड, सदर्न बैटरीज प्रा. लिमिटेड और Enersys. यह अध्ययन उभरते और प्रमुख उत्पादकों पर अंतर्दृष्टि के साथ-साथ दुनिया भर के इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, इलेक्ट्रिक कारों और घरेलू उपकरणों, 1500W और 18+ देशों द्वारा खंडित बाजार ज्ञान को बनाए रखने के लिए व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। यदि आप अपने लक्षित उद्देश्य या भूगोल के अनुसार इन्वर्टर बैटरी उद्योग में शामिल विभिन्न कंपनियों का विश्लेषण करना चाहते हैं तो हम आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलन प्रदान करते हैं।

इन्वर्टर बैटरी अनुसंधान अध्ययन ऐतिहासिक वर्षों से विभिन्न क्षेत्रों और देशों के बाजार के आकार को परिभाषित करता है और अगले 6 वर्षों के लिए मूल्यों का पूर्वानुमान लगाता है। इन्वर्टर बैटरी उद्योग के गुणात्मक और मात्रात्मक तत्वों को शामिल करने के लिए रिपोर्ट को इकट्ठा किया गया है: बाजार हिस्सेदारी, बाजार का आकार (मूल्य और मात्रा 2017-2021, और 2027 तक पूर्वानुमान) जो प्रतिस्पर्धी बाजार में संबंधित प्रत्येक देश की प्रशंसा करता है। इसके अलावा, अध्ययन इन्वर्टर बैटरी के महत्वपूर्ण तत्वों के बारे में गहन आंकड़े भी प्रदान करता है और प्रदान करता है जिसमें ड्राइवर और निरोधक कारक शामिल हैं जो बाजार के भविष्य के विकास के दृष्टिकोण का अनुमान लगाने में मदद करते हैं।

टाटा पावर सोलर ने शुरू किया भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्रोजेक्ट

टाटा पावर की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टाटा पावर सोलर सिस्टम्स ने केरल के कायमकुलम में 350 एकड़ जल निकाय, बैकवाटर क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी तैरती सौर ऊर्जा परियोजना को चालू करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जिसकी स्थापित क्षमता 101.6 मेगावाट पीक है।

परियोजना की निर्माण अवधि के दौरान चर पानी की गहराई, उच्च समुद्री ज्वार, और गंभीर जल लवणता संबंधी चिंताओं की कठिन चुनौतियों के बावजूद, यह स्थापना निर्धारित अवधि के भीतर पूरी हो गई थी। टाटा पावर सोलर ने पूरे सौर संयंत्र को पानी पर तैरने के लिए जल निकाय पर सफलतापूर्वक एक मचान मंच बनाया। यह परियोजना विद्युत खरीद करार श्रेणी के माध्यम से फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक (एफएसपीवी) में पहली परियोजना है। इस संयंत्र में 5 मेगावाट (मेगावाट) क्षमता वाला एक फ्लोटिंग इन्वर्टर प्लेटफॉर्म है।

इस 101.6 मेगावाट क्षमता के सौर संयंत्र की बड़े पैमाने पर स्थापना और कमीशनिंग एफएसपीवी श्रेणी में सबसे तेज है, एक वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी) प्रमाणीकरण तैयार है, जिसका अर्थ है कि परियोजना को पूर्ण और परिचालन के रूप में मंजूरी दे दी गई है। केंद्रीय निगरानी और नियंत्रण स्टेशनों (सीएमसीएस) और 33/220 किलोवोल्ट स्विचयार्ड का समर्थन करने के लिए पूरे प्रोजेक्ट को 134 कास्ट पाइल नींव का उपयोग करके केरल बैकवाटर के वाटरबेड के लिए लंगर डाला गया है। यह सब मिट्टी के स्तर के पानी के नीचे ड्रेजिंग करके किया गया था, जिसमें उच्च भूजल भी एक निवारक था।

समुद्र से जुड़े राष्ट्रीय जलमार्ग पर फ़्लोट्स और सौर पैनल मॉड्यूल से जुड़े पूरे सरणी को 3 किलोमीटर तक खींचा जाना था, जो 15 मीटर गहरा था, जो सौर मॉड्यूल को तेज़ हवाओं और तेज़ ज्वार के संपर्क में लाता था, जो अक्सर लगभग 3.5 मीटर की ऊँचाई तक पहुँचते थे। परियोजना के संचालन के लिए, टाटा पावर सोलर की निष्पादन टीम 33/220 किलोवोल्ट एयर इंसुलेटेड सबस्टेशन (एआईएस) को 220 किलोवोल्ट मौजूदा गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन (जीआईएस) के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रनाइज़ करने में सक्षम थी।

इंडियन ऑयल ने इनडोर सोलर कुकिंग स्टोव 'सूर्य नूतन' का अनावरण किया

'सूर्य नूतन' एक स्थिर, रिचार्जेबल और हमेशा रसोई से जुड़े इनडोर सौर खाना पकाने की प्रणाली है जो एक हाइब्रिड मोड पर काम करती है, और एक साथ सौर और एक सहायक ऊर्जा स्रोत दोनों पर चलने में सक्षम है।

मध्यम वर्ग के घरों के लिए एक स्थायी स्टोव डिजाइन करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेश की गई चुनौती को लेते हुए, तेल विपणन प्रमुख इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गैस की खपत को कम करने के लिए एक सोलर कुक टॉप विकसित किया है।

दिल्ली में एक कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के आवास पर 'सूर्य नूतन' नाम के इनोवेटिव कुक टॉप का प्रदर्शन दिया गया, जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह भी शामिल हुए।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 'सूर्य नूतन' एक स्थिर, रिचार्जेबल और हमेशा किचन से जुड़ा इनडोर सोलर कुकिंग सिस्टम है, जिसमें एक पेटेंट उत्पाद तैयार किया गया है। इसे फरीदाबाद में इंडियन ऑयल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर द्वारा विकसित किया गया है।

बयान में कहा गया है कि कुक टॉप ऑनलाइन कुकिंग मोड प्रदान करता है, साथ ही सूर्य से चार्ज भी लेता है, जिससे सिस्टम की दक्षता अधिकतम होती है और सूर्य से ऊर्जा का उच्च उपयोग सुनिश्चित होता है। सौर खाना पकाने के उपकरण एक हाइब्रिड मोड पर काम करते हैं और सौर और एक सहायक ऊर्जा स्रोत दोनों पर एक साथ चलने में सक्षम हैं, जो इसे सभी मौसम की स्थिति के लिए एक विश्वसनीय खाना पकाने का समाधान बनाता है।

'सूर्य नूतन' तीन अलग-अलग मॉडलों में उपलब्ध है, और प्रीमियम वाला चार लोगों के परिवार के लिए सभी भोजन पका सकता है। बेस मॉडल की कीमत लगभग ₹12,000 होगी, जबकि शीर्ष मॉडल की कीमत ₹23,000 होगी।

बयान में कहा गया है कि कुक टॉप का इस्तेमाल तब भी किया जा सकता है जब सूरज लंबे समय तक दिखाई न दे, या कई दिनों तक मानसून और अत्यधिक ठंड के दौरान।

एमजी एयर स्मॉल ईवी 2023 की शुरुआत में भारत में आ रही है

MG Motor India भारतीय बाजार के लिए एक एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक व्हीकल विकसित कर रही है। नया मॉडल Wuling's Air EV पर आधारित होगा जिसे हाल ही में इंडोनेशिया में एक कार्यक्रम में अनावरण किया गया है। कोडनेम E230, नया MG Air एंट्री लेवल EV कंपनी के ग्लोबल स्मॉल इलेक्ट्रिक व्हीकल्स प्लेटफॉर्म पर विकसित किया गया है जो पहले से ही कई उत्पादों को रेखांकित करता है।

भारत के लिए नया MG इलेक्ट्रिक स्मॉल व्हीकल टू-डोर बॉडी स्टाइल के साथ पेश किया जाएगा। कंपनी भारत के लिए स्पेक्स और इक्विपमेंट में काफी बदलाव कर सकती है। छोटी कार को भारतीय परिस्थितियों के लिए संशोधित और अनुकूलित किया जाएगा। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एमजी इंजीनियर एयर कॉन और बैटरी थर्मल मैनेजमेंट सिस्टम को अपडेट करेंगे। छोटी कार को भी हमारे बाजार में एक नया नाम मिलेगा।

एमजी एयर ईवी में हांगगुआंग मिनी ईवी के समान बॉक्सी डिज़ाइन है; हालांकि, वूलिंग ने इसे और अधिक भविष्यवादी दिखने के लिए कुछ बदलाव किए हैं। सामने के भाग में एक पूर्ण-चौड़ाई वाला प्रकाश बार है जो क्रोम स्ट्रिप्स के माध्यम से जुड़ा हुआ है जो ओआरवीएम में विलय हो जाता है। चार्जिंग पोर्ट को लाइट बार के ठीक नीचे रखा गया है, जिसमें एमजी लोगो भी है। छोटी कार में स्क्वैरिश हेडलैंप, एंगुलर फ्रंट बंपर, स्लिम फॉग लैंप आदि हैं।

दूसरी पंक्ति में बेहतर प्रवेश-निकास के लिए नए इलेक्ट्रिक वाहन में अन्य जीएसईवी कारों की तुलना में लंबे दरवाजे हैं। दूसरी पंक्ति में हवादार अनुभव के लिए सामने के दरवाजों के पीछे खड़ी खड़ी बड़ी खिड़की है। छोटा ईवी प्लास्टिक हब कैप से ढके 12 इंच के स्टील रिम्स पर चलता है। भारत-कल्पना मॉडल मिश्र धातु पहियों प्राप्त कर सकता है।

VW अगले साल भारत में पहला EV चलाएगा

जर्मन कार निर्माता वोक्सवैगन समूह की स्थानीय इकाई वोक्सवैगन इंडिया अगले साल देश में अपनी कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी आईडी.4 की "सीमित मात्रा" लाने की सोच रही है।

यह भारत में वोक्सवैगन ब्रांड की पहली इलेक्ट्रिक वाहन पेशकश होगी, जहां वर्तमान में लॉन्च की गई मध्यम आकार की सेडान वर्टस सहित तीन आईसी-इंजन कारों के पोर्टफोलियो के बावजूद यह पूरी तरह से नया है। यह वोक्सवैगन का दूसरा और अंतिम उत्पाद है जिसे समूह के €1 बिलियन भारत 2.0 परियोजना के हिस्से के रूप में पेश किया गया है।

वोक्सवैगन इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता के अनुसार भारत में इसका परीक्षण शुरू करने के लिए अगस्त में देश में ID.4 प्राप्त करना चाहते हैं, प्रौद्योगिकी, पारिस्थितिकी तंत्र और कार को देश में लाने के लिए हमें कौन सी आंतरिक तैयारी करने की आवश्यकता है। एक बार जब यह परीक्षण चरण समाप्त हो जाता है, उनका लक्ष्य अगले साल देश में ID4 के टॉप-स्पेक वेरिएंट की सीमित मात्रा में लाना है।

आशीष गुप्ता ने कहा है कि उनके पास ईवीएस का वैश्विक पोर्टफोलियो है लेकिन यह देश में ईवी को पेश करने के लिए एक व्यापक योजना रखने का सवाल है। हम एक तीन-चरणीय योजना तैयार कर रहे हैं जहां हम पहले कुछ पूरी तरह से निर्मित इकाइयां (एफबीयू) लाते हैं, फिर पुर्जों और घटकों के माध्यम से स्थानीय असेंबली के लिए जाते हैं, और फिर पूर्ण स्थानीयकरण करते हैं। यह पूरी योजना अभी तैयार की जा रही है।

यह कदम कुछ अन्य वैश्विक ओईएम जैसे कि किआ इंडिया (ईवी 6) और हुंडई मोटर इंडिया (कोना) की रणनीति के अनुरूप होगा, जिसके बाद बाजार की धारणा का परीक्षण करने के लिए अन्य देशों में बेचे जाने वाले बीईवी की सीमित मात्रा का आयात किया गया है। स्वच्छ गतिशीलता के लिए संक्रमण में एक प्रारंभिक प्रस्तावक जो भारतीय मोटर वाहन क्षेत्र देख रहा है। हालांकि, गुप्ता का मानना है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को बड़े पैमाने पर अपनाने में अभी तीन-चार साल लगे हैं।

भारत में बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण मुझे लगता है कि अभी भी तीन से चार साल दूर है। मैं इसे केवल 2025-26 के आसपास ही देख रहा हूं क्योंकि बड़े पैमाने पर स्थानीयकरण के लिए, आपको एक विनिर्माण आधार, एक आपूर्तिकर्ता आधार की आवश्यकता है और बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण के लिए मूल्य बिंदु प्राप्त करना है। मैं इस बीच, किसी को आंतरिक रूप से क्षमताओं का निर्माण करना चाहिए और देखना चाहिए कि बाजार कैसे प्रतिक्रिया दे रहा है ।

भारत के लिए वोक्सवैगन का नवीनतम उत्पाद, वर्टस, एक प्रीमियम मध्यम आकार की सेडान है: पिछले साल लगभग 95000 कारों का बाजार आकार (कुल कार संस्करणों में से केवल 3 मिलियन से अधिक)। गुप्ता को उम्मीद है कि वर्टस एंड वीडब्ल्यू की सिस्टर ब्रांड स्कोडा स्लाविया इस साल इस बाजार को 140,000-150,000 यूनिट तक बढ़ाएगी।

इलेक्ट्रिक वाहन 5 वर्षों में ऑटो कैपेक्स को 70,630 करोड़ रुपये बढ़ाएंगे

ऑटोमोबाइल निर्माता, नए और पुराने, साथ ही सहायक आपूर्तिकर्ता अगले पांच वर्षों में या तो इलेक्ट्रिक वाहन खंड में प्रवेश करने या इसमें अपनी उपस्थिति बढ़ाने पर कुल 70,630 करोड़ रुपये खर्च करने के लिए तैयार हैं। फर्मों द्वारा की गई घोषणाओं से लिए गए डेटा से पता चलता है कि भारत, दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार, एक ग्रीन ड्राइव के हिस्से के रूप में आंतरिक दहन इंजन से इलेक्ट्रिक मोटर्स और बैटरी में संक्रमण को बढ़ावा देने के लिए अब तक का सबसे बड़ा कैपेक्स प्राप्त करने के लिए तैयार है।

अमारा राजा एक नई शक्ति के साथ अग्रसर

अमारा राजा बैटरीज लिमिटेड, देश की दूसरी सबसे बड़ी ऑटो बैटरी निर्माता और ब्रांड अमरोन के मालिक, अपनी व्यावसायिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। लगभग 1 बिलियन डॉलर की राजस्व बैटरी प्रमुख लीड एसिड बैटरी (एलएबी) निर्माता से एक नए ऊर्जा खिलाड़ी के रूप में परिवर्तित हो रही है, जो लिथियम आयन बैटरी और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के समाधान जैसे विकास क्षेत्रों में ड्राइविंग कर रही है। यह बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी का उत्पादन करने के लिए एक गीगा फैक्ट्री की योजना का भी मूल्यांकन कर रहा है।

नए क्षेत्रों को टैप करने का निर्णय कार्ड पर था, लेकिन बोर्ड की बैठक में औपचारिक रूप दिया गया था। यह एक भावुक बैठक थी क्योंकि संस्थापक-अध्यक्ष रामचंद्र गल्ला, जिन्होंने 36 वर्षों तक समूह का संचालन किया था, ने पद छोड़ने का फैसला किया और अपने 55 वर्षीय बेटे जयदेव को ड्राइविंग सीट पर बिठा दिया था।

बैठक ने उत्तराधिकार योजना के संकेत भी दिए: जयदेव के भतीजे - हर्षवर्धन गौरीनेनी (हर्ष) और विक्रमादित्य गौरीनेनी (विक्रम) को कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

समूह ने मंदिर शहर तिरुपति से अपनी यात्रा शुरू की, जब 50 वर्षीय रामचंद्र गल्ला अमेरिका से लौटे और उद्यमिता में उद्यम करने का फैसला किया था। उन्होंने 1984 में अमारा राजा पावर सिस्टम्स लिमिटेड की स्थापना की। पहली विनिर्माण सुविधा और कार्यालय तिरुपति से 12 किमी दूर काराकंबाडी में था। जयदेव और रमादेवी व्यवसाय में शामिल हो गए। इसके बाद उन्होंने अमारा राजा बैटरी और एक संबद्ध व्यवसाय, मंगल इंडस्ट्रीज के साथ औद्योगिक बैटरियों में एक छंटनी की, जिसने बैटरी घटकों और ऑटो घटकों का निर्माण किया। 1991 में, अमारा राजा बैटरीज सार्वजनिक हुई थी।

ऑटोमोटिव बैटरी में प्रवेश वास्तव में जयदेव के आग्रह पर था। एक्साइड के प्रभुत्व को देखते हुए, रामचंद्र गल्ला शुरू में संशय में थे, और शुरुआत में यह कठिन था। लेकिन Amaron के शानदार विज्ञापन - इसके एनिमेटेड विज्ञापन अभी भी याद किए जाते हैं - और वातानुकूलित शोरूम में फैक्ट्री-चार्ज बैटरी बेचने जैसी असामान्य रणनीतियों ने इसे आगे बढ़ाने में मदद की।

बैटरी के अलावा, समूह के सात व्यवसाय हैं - जिसमें इंफ्रा, इलेक्ट्रॉनिक्स, मीडिया और मनोरंजन और खाद्य प्रसंस्करण शामिल हैं।

बोर्ड की बैठक के तुरंत बाद बिजनेस लाइन से बात करते हुए, वाइस चेयरमैन जयदेव गल्ला ने कंपनी के लिए "कक्षा शिफ्ट" करने पर जोर दिया था।

यह बोर्ड पुनर्गठन 2013 में उत्तराधिकार योजना के माध्यम से लाया गया है जहां हर्ष और विक्रम दोनों को अगली पीढ़ी के नेताओं के रूप में पहचाना गया था। दोनों ने परिवर्तनकारी भूमिकाएं निभाई हैं और पिछले 7-8 वर्षों में अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की है।

जयदेव गल्ला भविष्य को लेकर आशावादी थे। उन्होंने कहा है कि जैसा कि हम विराम देते हैं और भविष्य को देखते हैं, हमारा मानना है कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, लिथियम आयन बैटरी और बैटरी और स्टोरेज के आसपास के अन्य समाधानों में एक बड़ा उभरता हुआ अवसर है, जिसमें चार्जिंग स्टेशन, बैटरी स्वैपिंग, बेड़े प्रबंधन के लिए बैटरी समाधान शामिल हैं।

एआरबीएल को एनर्जी और मोबिलिटी प्लेयर के रूप में स्थापित करके, समूह अनिवार्य रूप से व्यवसाय को भविष्य में प्रमाणित कर रहा है। कंपनी ने लिथियम सेल और बैटरी पैक, EV चार्जर, एनर्जी स्टोरेज सिस्टम, एडवांस्ड होम एनर्जी सॉल्यूशंस और संबंधित उत्पादों और सेवाओं को शामिल करते हुए एक नई ऊर्जा SBU की स्थापना की है।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि एलएबी व्यवसाय की उपेक्षा की जाएगी। जैसा कि विक्रम गौरीनेनी ने कहा, "नई रणनीति का उद्देश्य कंपनी की मौजूदा ताकत और बाजार हिस्सेदारी को और मजबूत करना है।"

उन्होंने कहा कि ऑटोमोटिव, इंडस्ट्रियल, टेलीकॉम और नए उभरते सेगमेंट जैसे लीड एसिड बैटरी के लिए डेटा सेंटर के साथ-साथ अन्य बाजारों में विस्तार की अपार संभावनाएं हैं।

जयदेव गल्ला ने कहा कि कंपनी की योजना वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर विस्तार करने की है। कुल कंपनी निर्यात योगदान लगभग 15 प्रतिशत है और यह बढ़ने का अनुमान है क्योंकि कंपनी अपनी लीड एसिड बैटरी का वैश्वीकरण करती है। अगर योजना के मुताबिक वॉल्यूम बढ़ता है, तो इससे कुछ देशों में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग हो सकती है,

एलएबी के लिए वैश्विक बाजार बहुत बड़ा है, जिसमें अमारा राजा 490 गीगा वाट घंटे पर वैश्विक उद्योग का लगभग 3 प्रतिशत हिस्सा है। इसके 2030 तक बने रहने की उम्मीद है। इसके बाद, लिथियम आयन सहित अन्य प्रकार की बैटरियों द्वारा इसे चुनौती दी जा सकती है। समूह का लेड एसिड बैटरियों से लगभग 1 बिलियन डॉलर का कारोबार है। लेकिन समेकन हो सकता है। कंपनी संभावित और उच्च टैरिफ बाधाओं वाले बाजारों में या तो विलय और अधिग्रहण पर विचार कर सकती है या ग्रीनफील्ड प्लांट स्थापित करने पर विचार कर सकती है।

वर्तमान में अमारा राजा अशोक लीलैंड, फोर्ड इंडिया, होंडा, हुंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स को मूल उपकरण संबंधों के तहत ऑटोमोटिव बैटरी की आपूर्ति करती है और हिंद महासागर रिम में देशों को औद्योगिक और ऑटोमोटिव बैटरी का निर्यात भी करती है।

Gallas और Gourinenis ने भी पुष्टि की कि कंपनी Giga फैक्ट्री स्थापित करने की संभावना का मूल्यांकन कर रही है। विक्रम गौरीनेनी ने कहा कि आमतौर पर, लगभग 8-10 गीगावॉट की एक बड़ी गीगा फैक्ट्री को 5-10 वर्षों में लगभग 1 बिलियन डॉलर के निवेश की आवश्यकता हो सकती है।

एस विजयानंद, प्रेसिडेंट, न्यू एनर्जी, अमारा राजा ने कहा कि सरकार की 18,000 करोड़ रुपये की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत विकास का यह संभावित क्षेत्र कैसे आकार ले सकता है, यह अगले 4-5 महीनों में जाने की संभावना है।

जयदेव गल्ला ने कहा कि बहुत कुछ मांग पर निर्भर करेगा। मांग के बिना, कोई कारखाना स्थापित करने में भारी संसाधनों का निवेश नहीं कर सकता है। करीब 1 अरब डॉलर की राजस्व कंपनी ने पिछले कुछ सालों में 7-8 फीसदी की सीएजीआर देखी है। कंपनी के सीईओ वाई डेल्ली बाबू ने कहा कि फोकस के नए क्षेत्रों के साथ, यह 15-20 फीसदी की रेंज में मजबूत वॉल्यूम ग्रोथ पर वापस जाना चाहता है।

यद्यपि परिवार ने भविष्य के लिए एक सराहनीय व्यवसाय योजना प्रस्तुत की है, विशेषज्ञों का मानना है कि यह क्षेत्रीय राजनीति का प्रबंधन कैसे करता है, इसका भी कंपनी के विकास पर असर पड़ सकता है। गल्ला बेहद राजनीतिक हैं - जयदेव गल्ला लोकसभा में तेदेपा का प्रतिनिधित्व करने वाले गुंटूर से सांसद हैं, जबकि उनकी मां गल्ला अरुणा कुमारी एन चंद्रबाबू नायडू सरकार में मंत्री थीं। वर्तमान में कंपनी पर जगन सरकार के दबाव का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें प्रदूषण नियंत्रण नोटिस प्राप्त करना भी शामिल है। फिलहाल सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि गलास व्यापार और राजनीति को कैसे संभालेगा और इस चुनौती का सामना कैसे करेगा

भारत सौर ऊर्जा बाजार: 2022 में साल-दर-साल 37.31% विकास दर

भारत में सौर ऊर्जा बाजार को एंड-यूजर (यूटिलिटी और रूफटॉप) और एप्लिकेशन (ग्रिड-कनेक्टेड और ऑफ-ग्रिड) द्वारा विभाजित किया गया है। उपयोगिता खंड द्वारा भारत में बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि पूर्वानुमान अवधि के दौरान महत्वपूर्ण होगी। उपयोगिता-पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र पिछले कुछ दशकों में स्वच्छ और भरोसेमंद ऊर्जा का उत्पादन कर रहा है। यह निश्चित बिजली की कीमतों का लाभ देता है जब जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न बिजली की कीमतें चरम मांग अवधि के दौरान अधिक होती हैं। सूरज की रोशनी न होने पर इसका उपयोग करने के लिए इसे ऊर्जा भंडारण प्रणालियों में भी संग्रहीत किया जा सकता है। ये कारक देश में उपयोगिता-पैमाने पर सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके अलावा, टेक्नावियो के हालिया बाजार अध्ययन के अनुसार, 2021 से 2026 तक भारत में सौर ऊर्जा बाजार में 240.42 बिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि होने की उम्मीद है। रिपोर्ट ड्राइवरों और अवसरों, शीर्ष जीतने वाली रणनीतियों, प्रतिस्पर्धी परिदृश्य, भविष्य के बाजार के रुझान, बाजार के आकार और अनुमानों और प्रमुख निवेश जेबों का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करती है।

भारत में सौर ऊर्जा बाजार की रिपोर्ट एबीबी लिमिटेड, एसीएमई सोलर, अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, एज़्योर पावर, कैनेडियन सोलर इंक, जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, हुआवेई इन्वेस्टमेंट एंड होल्डिंग कंपनी सहित कई बाजार विक्रेताओं के बारे में जानकारी प्रदान करती है। लिमिटेड, जेए सोलर टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, ज़ूवी एजी, और स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर लिमिटेड। इसके अलावा, बाजार खंडित है और विक्रेता बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए जैविक और अकार्बनिक विकास रणनीतियों को तैनात कर रहे हैं।

एबीबी लिमिटेड- कंपनी सौर ऊर्जा सेवाएं प्रदान करती है जो एबीबी लिमिटेड के ब्रांड नाम के तहत विद्युत उत्पादन, बिजली संचरण, परिवहन, प्रक्रिया स्वचालन और प्रदूषण नियंत्रण सहित विद्युत शक्ति प्रदान करती है।

कैनेडियन सोलर इंक.- कंपनी सौर ऊर्जा सेवाएं प्रदान करती है जो कनाडाई सोलर इंक के ब्रांड नाम के तहत सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल, बैटरी भंडारण समाधान, सौर प्रकाश, पोर्टेबल सौर, सौर परिवहन और कई अन्य प्रदान करती है।

जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड- कंपनी सौर ऊर्जा सेवाएं प्रदान करती है जिसमें पीवी मॉड्यूल, ऊर्जा प्रणाली, सौर एयर कंडीशनिंग, सौर गुब्बारा, सौर चार्जर, सौर बैकपैक, सौर सेल फोन चार्जर, सौर चिमनी, सौर ऊर्जा संचालित अपशिष्ट कॉम्पैक्टिंग बिन शामिल हैं। जीसीएल सिस्टम इंटीग्रेशन टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड के ब्रांड नाम के तहत सौर कुकर, सौर ड्रायर, सौर ऊर्जा से चलने वाले पंखे और कई अन्य।

पिछले दो दशकों में वैश्विक ऊर्जा मिश्रण में काफी बदलाव आया है। ऊर्जा दक्षता में सुधार ने ऊर्जा आपूर्ति और मांग को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके बिजली उत्पादन की कुल लागत पारंपरिक स्रोतों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक है। हालांकि, नवीकरणीय प्रौद्योगिकी विकसित हो रही है और जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली संयंत्रों को प्रतिस्पर्धा दे रही है। सरकार के बढ़ते समर्थन और बेहतर अर्थशास्त्र के साथ, यह क्षेत्र निवेशकों के दृष्टिकोण से आकर्षक बन गया है। अक्षय स्रोतों से कम कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरण संरक्षण के संबंध में बढ़ती चिंताओं ने ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे दुनिया भर में अक्षय ऊर्जा में निवेश में वृद्धि हुई। अक्षय ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ा हुआ ध्यान देश के सौर ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ा रहा है, जो पूर्वानुमान अवधि के दौरान भारत में सौर ऊर्जा बाजार के विकास को गति देगा।

अतीत में, उच्च लागत और अंतराल ने ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को अपनाने को प्रभावित किया है। सिस्टम के साथ ऊर्जा भंडारण को एकीकृत करके सौर ऊर्जा की आंतरायिक प्रकृति को दूर किया जा सकता है, जिससे हाइब्रिड सिस्टम में अक्षय ऊर्जा को अपनाने में वृद्धि होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा की कीमतें धीरे-धीरे कम हो रही हैं। भारत सरकार उपयोगकर्ताओं को कर प्रोत्साहन भी प्रदान कर रही है, जिससे स्थापना लागत कम हो जाती है और परिणामस्वरूप सौर ऊर्जा की अंतिम लागत में कमी आती है। नतीजतन, सौर ऊर्जा देश में कोयला आधारित बिजली जैसे जीवाश्म ईंधन को कड़ी टक्कर दे रही है। चूंकि भारत सौर ऊर्जा के लिए एक संभावित बाजार है, इसलिए यह चीन से काफी कम कीमतों पर सौर पैनल आयात कर सकता है, जो नवीकरणीय ऊर्जा के बीच सौर ऊर्जा की मांग को बढ़ावा देगा और भारत में सौर ऊर्जा प्रणालियों की बिक्री में वृद्धि करेगा। इसलिए, सौर ऊर्जा की घटती लागत पूर्वानुमान अवधि के दौरान भारत में सौर ऊर्जा बाजार के विकास को गति प्रदान करेगी।

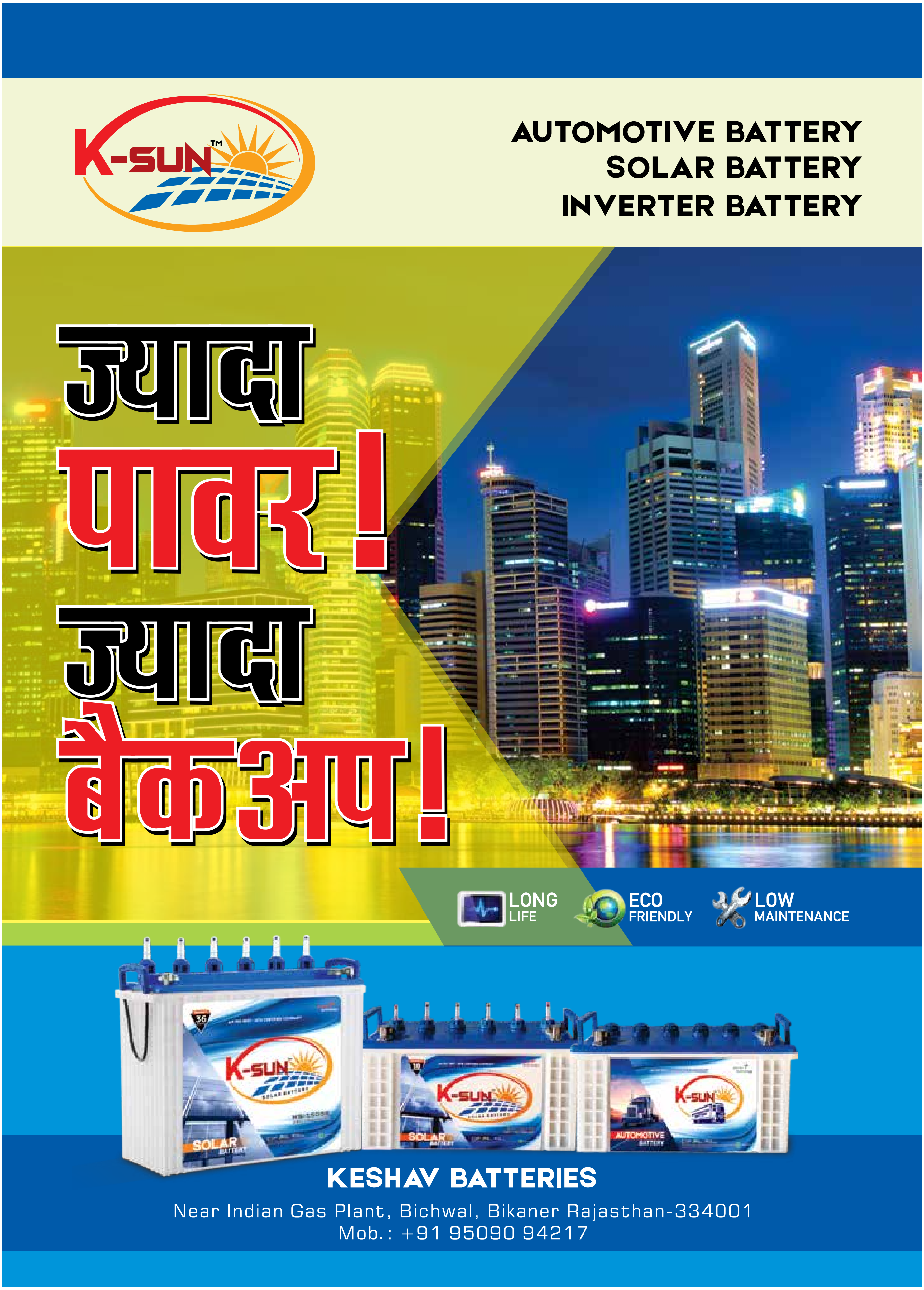

K-SUN
AUTOMOTIVE BATTERY
SOLAR BATTERY
INVERTER BATTERY
ज्यादा
पावर !
ज्यादा
बैकअप !
LONG LIFE
ECO FRIENDLY
LOW MAINTENANCE
K-SUN
SOLAR
AUTOMOTIVE
KESHAV BATTERIES
Near Indian Gas Plant, Bichwal, Bikaner Rajasthan-334001
Mob.: +91 95090 94217

बैटरी भंडारण और स्मार्ट नियंत्रण के साथ सक्षम भारत का पहला 24 / 7 सौर-संचालित शहर

भारतीय राज्य गुजरात में मोढेरा देश का पहला पूर्ण सौर ऊर्जा संचालित शहर है, जो दर्शाता है कि बैटरी भंडारण 24/7 स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण बिजली तक पहुंच को सक्षम कर सकता है।

ग्रीनपावर मॉनिटर, जिसने बिजली संयंत्र नियंत्रक और ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) के साथ परियोजना की आपूर्ति की, ने कहा कि बुद्धिमान नियंत्रण के साथ बैटरी भंडारण के साथ सौर का स्मार्ट संयोजन समुदाय के संपूर्ण ऊर्जा नेटवर्क को बनाने की बहुत ही जटिल चुनौती को हल कर सकता है।

मोढेरा में केवल 1,400 निवासी हैं और यह हिंदू सौर देवता सूर्य को समर्पित सूर्य मंदिर का घर है।

राष्ट्रीय सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा समर्थित एक परियोजना में, यह प्रदर्शित करने के लिए आदर्श स्थान के रूप में चुना गया था कि बिजली तक पहुंच को निष्पक्ष, सार्वभौमिक और पूरी तरह से नवीकरणीय बनाया जा सकता है।

एमएनआरई ने मार्च 2020 में योजना का टेंडर जारी किया, जिसमें कहा गया कि मोढेरा की "स्कीम फॉर सोलराइजेशन" का उद्देश्य ऐतिहासिक शहर के लिए **प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी** के अपने दृष्टिकोण को आगे लाना था, यह "ताकि सभी की घरेलू और कृषि बिजली की जरूरत हो। मोढेरा के घर पूरी तरह से सौर ऊर्जा से भरे हुए हैं, जिससे पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर चलने वाले गांव/कस्बे के लिए एक पायलट प्रदर्शन परियोजना की स्थापना की जा रही है।

ग्रीनपावर मॉनिटर, जो प्रमाणन और मानक समूह डीएनवी के स्वामित्व वाली एक अक्षय ऊर्जा डिजिटल सेवा कंपनी है, को इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) ठेकेदार महिंद्रा सस्टेन द्वारा हाइब्रिड पावर प्लांट के लिए एकीकृत ऑनसाइट नियंत्रण, निगरानी, डेटा प्रबंधन और प्रदर्शन समाधान की आपूर्ति के लिए नियुक्त किया गया था।

FIMER ने सोलर इनवर्टर सहित छह 1MVA द्वि-दिशात्मक बिजली रूपांतरण प्रणाली (PCS) इकाइयाँ प्रदान कीं, जो Energy-Storage.news ने मई की शुरुआत में रिपोर्ट की थी। अगस्त 2021 में कमीशन के साथ परियोजना को केवल एक वर्ष में ऑनलाइन लाया गया था।

इस हफ्ते, ग्रीनपावर मॉनिटर (जीपीएम) ने परियोजना में अपनी भागीदारी के बारे में अधिक जानकारी की पेशकश की और क्षेत्र के लिए कंपनी के प्रबंधक ने कहा कि इसके सफल संचालन ने अब तक हाइब्रिड नवीकरणीय-प्लस-ऊर्जा भंडारण की विशाल क्षमता का संकेत दिया है।

GPM के पावर प्लांट कंट्रोलर (PPC) और एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (EMS) को सिस्टम के मास्टर कंट्रोलर के रूप में उपयोग किया जाता है, जिससे बैटरी और अन्य घटकों को ब्लैक स्टार्ट / ग्रिड-फॉर्मिंग (आइलैंडिंग), एनर्जी शिफ्टिंग, स्टेट-ऑफ-चार्ज (SoC) का प्रबंधन करने की अनुमति मिलती है।) आवृत्ति और वोल्टेज समर्थन के अलावा बैटरी का प्रबंधन और संतुलन।

कंपनी के सीईओ जुआन कार्लोस एरेवलो के अनुसार जीपीएम ने अक्षय ऊर्जा के उत्पादन और एकीकरण को अधिकतम करने के लिए अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाए हैं और दुनिया भर में अक्षय ऊर्जा परिसंपत्तियों के 54GW की निगरानी करता है।

अरवलो ने कहा कि जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं जब हम नवीकरणीय ऊर्जा के बारे में बात करते हैं, हम भंडारण के बारे में भी बात करते हैं, क्योंकि हम भविष्य को सभी प्रौद्योगिकियों के संयोजन के रूप में देखते हैं, साथ ही भंडारण।

भंडारण एक प्रवर्तक है, यह उत्पादन का स्रोत नहीं है, यह अन्य प्रौद्योगिकियों के लिए एक संबल है, अधिकतम कैसे प्राप्त किया जाए, और हम जो चाहते हैं वह हमारे बिजली संयंत्र नियंत्रण और ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से लचीलापन है।

मोढेरा 24/7 सौर परियोजना की R650 मिलियन (US$8.37 मिलियन) लागत गुजरात की राज्य सरकार और राष्ट्रीय केंद्र सरकार द्वारा 50:50 साझा की गई थी। दोनों उम्मीद करेंगे कि परियोजना वास्तव में अन्य क्षेत्रों के लिए अनुकरणीय उदाहरण के रूप में काम कर सकती है जो अब तक साबित हुई है।

अगस्त 2021 में सरकार के स्वामित्व वाले सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (SECI) द्वारा एक अलग तरह की 24/7 नवीकरणीय आपूर्ति का अनुबंध किया गया था, जिसने 400MW के लिए स्वतंत्र बिजली उत्पादक (IPP) ReNew Power के साथ एक बिजली खरीद समझौते (PPA) पर हस्ताक्षर किए थे। 'राउंड-द-क्लॉक' (RTC) बिजली आपूर्ति सौदा। इसमें बीईएसएस तकनीक के साथ संयुक्त 1,300 मेगावाट पवन और सौर का उपयोग शामिल है।

EV India
An Electric Motor Vehicle Show

EV INDIA 2022
An Electric Motor Vehicle Show

07th-09th September, 2022
India Expo Centre, Greater Noida, NCR, U.P., India

India's Biggest Electric Motor Vehicle Show

CONCURRENT EVENTS

- E-CHARGE FORUM
- E-MOBILITY AWARDS
- COP26 EV RALLY
- EV pe CHARCHA

FOCUS INDUSTRIES

- Electric Vehicles Manufacturers
- Charging Infrastructure, Equipment & Solutions
- Battery Manufacturers
- Auto Component Manufacturers
- Battery Management System/Battery Storage System
- iOT Devices & Software
- Raw Material
- Allied Products & Accessories

Media Partner
बैटरी व्यापार Battery Business
HINDI ONLINE MONTHLY
www.batterybusiness.in

Supported by

Ministry of Environment, Government of India | Ministry of Environment, Forest and Climate Change | Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India | PHD CHAMBER OF COMMERCE AND INDUSTRY | Ease Of Doing Business.in (REFORM PERFORM TRANSFORM) | ASSAR | #NHforEV 'National Highways for Electric Vehicles' JAIPUR - DELHI - AGRA

Organizers

Indian Exhibition Services (IES) | Green Society of India

Co-organizer

SMEV – SOCIETY of MANUFACTURERS of ELECTRIC VEHICLES

INDIAN EXHIBITION SERVICES
8th Floor, Tower-B Noida One IT Park, B-820, Sushil Marg, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh 201309
Tel: +91-120-2975517, Mob: +91- 8542927429, +91-9560592061, Email: event@ies-india.com, Web : www.ies-india.com, www.evindiaexpo.in

चीनी फर्म इलेक्ट्रिक बैटरी बनाती है जो एक बार चार्ज करने पर 1,000 किलोमीटर की दूरी तय करती है

चीन की अग्रणी ऑटोमोटिव लिथियम-आयन बैटरी निर्माता, कंटेम्पररी एम्पेरेक्स टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (सीएटीएल) ने एक नई बैटरी का खुलासा किया है जो इलेक्ट्रिक वाहनों को एक बार चार्ज करने पर 1,000 किमी से अधिक की ड्राइविंग रेंज प्रदान करती है।

सेल-टू-पैक (CTP) तकनीक की तीसरी पीढ़ी के साथ, Qilin, या CTP 3.0 बैटरी नाम की बैटरी की मात्रा उपयोग दक्षता 72 प्रतिशत है और टर्नरी बैटरी सिस्टम के लिए 255 Wh/kg तक का ऊर्जा घनत्व है, जो देता है CATL के अनुसार, यह दुनिया में उच्चतम एकीकरण स्तर है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बैटरी का नाम चीनी पौराणिक कथाओं में 'किलिन' नामक एक पौराणिक प्राणी के नाम पर रखा गया है।

CATL के अनुसार, Qilin बैटरियों के बड़े पैमाने पर उत्पादन में जाने और 2023 में बाजार में आने की उम्मीद है।

मॉड्यूल के बिना पैक में कोशिकाओं को सीधे एकीकृत करके, सीटीपी तकनीक सिस्टम ऊर्जा घनत्व में सुधार करती है, विनिर्माण को सरल बनाती है और लागत को कम करने में मदद करती है। इसके अलावा, सीटीपी 3.0 बैटरी में सेवा जीवन, सुरक्षा, चार्जिंग गति और कम तापमान के प्रदर्शन में सुधार होता है।

उत्पाद की पूर्ण-जीवन-चक्र विश्वसनीयता और सदमे और कंपन के प्रतिरोध में एकीकृत ऊर्जा इकाई द्वारा सुधार किया जाता है, जो सेल और एक बहुक्रियाशील लोचदार इंटरलेयर से बना होता है।

बैटरी थर्मल स्थिरता और सुरक्षा का दावा करती है, और इसलिए उत्पाद उन्नयन में उच्च ऊर्जा घनत्व की सामग्री के साथ संगत है।

चरम परिस्थितियों में, सेल को तेजी से ठंडा किया जा सकता है, इस प्रकार कोशिकाओं के बीच असामान्य तापीय चालकता को रोका जा सकता है। वहीं, फास्ट मोड में चार्जिंग में सिर्फ 10 मिनट का समय लगता है।

तेजस एक उभरता हुआ बैटरी ब्रांड है

बैटरी व्यापार पत्रिका छोटे कारोबारियों के प्रमोशन के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में एक बैटरी ब्रांड के बारे में हम अपने पाठकों बताते हैं। वह बैटरी है तेजस। यह बैटरी तेजस इंडस्ट्री का ब्रांड है। जो रुड़की उत्तराखण्ड में स्थित है। तेजस इंडस्ट्री अभी सोलर और होम यूपीएस के लिए बैटरी बना रही है। दमदार क्वालिटी के साथ बैटरी बाजार में आई है। अभी कुछ दिनों में ये ऑटोमोटिव और ई-रिक्शा बैटरी का उत्पादन भी शुरू करेंगे।

तेजस इंडस्ट्री के प्रोपराइटर श्री पवन सैनी जी ने बैटरी व्यापार को बताया है कि तेजस बैटरी का उत्पादन तेजस इंडस्ट्रीज द्वारा किया जाता है। उन्होंने बताया की वो बहुत साल से बैटरी उतपादन कर रहे हैं। बैटरी उत्पादन में अनुभव पुराना है पर अभी तक कोई ब्रांड नहीं था। पर तेजस की ब्रांडिंग superstik से कराकर मार्किट में लाये हैं। इस बैटरी को बहुत अच्छा रेस्पोंस मिल रहा है। अभी केवल सोलर और होम यूपीएस बैटरी ही बना रहे हैं, लेकिन बहुत जल्द ऑटोमोटिव और इ-रिक्शा बैटरी भी बनाना शुरू करेंगे।

तेजस इंडस्ट्री का मुख्य उद्देश्य यह है कि ग्राहकों को उचित दर पर हाइब्रिड क्वालिटी की बैटरी प्रदान किया जाये और चैनल भागीदारों के संतुष्टि का ध्यान रखा जाये। हम अत्याधुनिक बने रहने के लिए कौशल के साथ मजबूत व्यावसायिक कौशल; रणनीतियों की अवधारणा, चैनल नेटवर्क को बढ़ाने और सुव्यवस्थित करने, उत्पाद प्रचारों पर ध्यान देते हुए तेजस बैटरी को भारत के हर कोने के साथ-साथ एक्सपोर्ट भी किया जाये। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वातावरण में राजस्व और व्यवसाय के विकास के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे।

इन सब बातों से बैटरी व्यापार को लगता है तेजस की क्वालिटी बेहतरीन है। ग्राहकों को सर्विस के द्वारा संतुष्टि देना ही तेजस इंडस्ट्री का पहला लक्ष्य है।

Amtek
BATTERY CONTAINERS

INTRODUCES
A NEW PRODUCT
LITHIUM HOLDER
for LITHIUM BATTERY PACKS

Currently available for **18650** and **32700** cells.

Mob. : +91 9810622544 | Email : amtekbatteries@gmail.com

ईवी मार्केट में बैटरी स्वैपिंग के प्रसार से ग्राहकों को कैसे लाभ होगा : एक नजर

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) ने भारत में 2021 के बाद से, बहु-रणनीतिक FAME II के समर्थन के साथ उठाया। भारत में हर महीने औसतन 1.5 मिलियन नए टूव्हीलर (2w) खुदरा बिक्री होती है, जो कुल ऑटोमोटिव बिक्री का लगभग 80% है। इसलिए, स्वच्छ गतिशीलता के लिए संक्रमण सबसे महत्वपूर्ण है। तेल निर्भरता के संदर्भ में, 2w भारत में कुल पेट्रोल की मांग का लगभग 62% है। ईवीएस के क्षेत्र में केंद्रित नीतिगत हस्तक्षेपों और उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ, अभिनव व्यापार मॉडल संक्रमण का नेतृत्व करेंगे और पारंपरिक बाजारों को बाधित करेंगे। हमारा मानना है कि फिक्स्ड और रिमूवेबल बैटरी वाले वाहन सह-अस्तित्व में रहेंगे और ई-2डब्ल्यू को तेजी से अपनाएंगे।

देश में बिकने वाले सभी इलेक्ट्रिक वाहनों में से, वर्तमान में, बैटरी स्वैपेबल वाहन, नए वाहन, न कि रेट्रोफिटेड, सीमित हैं। इसलिए, ऑटोमोबाइल बाजार में बैटरी स्वैपिंग के प्रसार में तेजी लाने के लिए तालमेल लाने और एक समान अवसर प्रदान करने का यह सही समय है।

बैटरी स्वैपिंग का सीधा सा मतलब है कि वाहन और बैटरी का स्वामित्व अलग हो गया है।

यह वाहन की अग्रिम लागत को लगभग आधा कर देता है। यानी उपभोक्ता के लिए वाहन की कीमत आधी कर दी जाती है। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी अप्रचलन का जोखिम पूरी तरह से समाप्त हो गया है, और सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है (बैटरियों को उनके सभी स्वास्थ्य मानकों पर नियमित जांच के साथ नियंत्रित वातावरण में चार्ज किया जाएगा)। उपभोक्ताओं के पास चुनने के लिए मॉडलों का एक विस्तृत पोर्टफोलियो है, जो उनकी शैली और जरूरतों के अनुरूप है। एक सदस्यता-आधारित मॉडल उपभोक्ता को सर्वोत्तम मूल्य पर पेश की जाने वाली सर्वोत्तम तकनीक का चयन करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है, दूरसंचार सेवाओं के समान जहां एक उपयोगकर्ता ने कनेक्टिविटी के आधार पर एक सेवा प्रदाता को चुना और गुणवत्ता के अनुसार स्विच करने का विकल्प होता है। सेवा की। यह एक समय बचाने वाला प्रस्ताव है क्योंकि यह वाहन को चार्ज करने में लगने वाले समय को कम करता है। बैटरी स्वैपिंग इकोसिस्टम उपभोक्ताओं, बैटरी सेवा प्रदाताओं और ओईएम (मूल उपकरण निर्माताओं) के बीच संपत्ति की साझा जिम्मेदारी के साथ वित्त तक पहुंच को सक्षम करेगा। ग्रामीण, टियर -1 और टियर -2 शहरों को परिवहन के हरित साधन प्रदान किए जा सकते हैं, जिनकी रखरखाव की न्यूनतम आवश्यकता होती है और बैटरी के बिना सस्ती हो जाती है।

सौर और पवन ऊर्जा का उपयोग विकेंद्रीकृत तरीके से इन बैटरियों को चार्ज करने के लिए स्टेशनों की अदला-बदली के लिए किया जा सकता है, अर्थात जब और जब बिजली उपलब्ध हो। जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी।

दिन के समय का लाभ उठाते हुए, DISCOMs इन स्वैपिंग स्टेशनों को आपूर्ति की जाने वाली बिजली को बदल सकते हैं, क्योंकि बैटरी हमेशा चार्ज होती रहती है, जिससे चोटियों को संतुलित किया जा सकता है।

सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है क्योंकि बैटरियों को हमेशा नियंत्रित परिस्थितियों में चार्ज किया जाता है, और जब भी यह वाहन में होती है तो सीपीओ द्वारा वास्तविक समय के आधार पर मापदंडों की निगरानी की जाती है। यदि खराबी का आभास होता है, तो यह BMS/IoT के माध्यम से बैटरी को बंद भी कर सकता है।

प्रौद्योगिकी उन्नयन: उन्नत बैटरी तकनीक अभी भी विकसित हो रही है, इसलिए, उपभोक्ता को अपग्रेड मिलेगा, जिस तरह से सिम-कार्ड को 3 जी, 4 जी, 5 जी, आदि में अपग्रेड किया जाता है। यह बिना किसी खर्च के एक ही बैटरी में बढ़ी हुई शक्ति और जीवन सुनिश्चित करेगा। अतिरिक्त लागत या जोखिम।

पुनर्चक्रण: चूंकि प्रत्येक बैटरी को ट्रैक किया जाएगा और इन्हें सीपीओ को वापस कर दिया जाएगा, यह सुनिश्चित करेगा कि एक भी ऑटोमोटिव उन्नत बैटरी नहीं है, जो लैंडफिल में समाप्त हो जाती है।

एक सेवा (बीएएएस) व्यवसाय मॉडल के रूप में अभिनव बैटरी को बढ़ावा देना, जो स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए नए रास्ते प्रदान करेगा, और देश में रोजगार को बढ़ावा देगा।

ग्रिड पावर पर वापस: आपात स्थिति में, स्वैप स्टेशनों पर बैटरी में संग्रहीत बिजली का उपयोग किया जा सकता है (वाहन से ग्रिड अवधारणा; जैसे कैलिफोर्निया, यूएसए)।

हालांकि, यह सब तभी संभव होगा जब स्वैपेबल बैटरियां कम से कम डिस्चार्ज स्टेज पर इंटरऑपरेबल हों। आइए हम सरल तर्क द्वारा इंटरऑपरेबिलिटी के मामले को समझने की कोशिश करें: उदाहरण के लिए, एक उपभोक्ता दिल्ली में रहता है और बिना बैटरी के वाहन खरीदता है और बैटरी ओईएम / सीपीओ से बैटरी सब्सक्रिप्शन लेता है, जिसकी सेवाएं और सदस्यता उसके लिए सबसे उपयुक्त हैं। जरूरत है। यदि उपभोक्ता दूसरे शहर में शिफ्ट हो जाता है, उदाहरण के लिए नॉएडा, और अपने सब्सक्राइब्ड सर्विस प्रोवाइडर का बैटरी स्वैपिंग स्टेशन नहीं ढूंढ पा रहा है, तो उपभोक्ता के पास या तो वाहन बेचने या ऑपरेटर द्वारा सेवाएं शुरू करने की प्रतीक्षा करने का विकल्प बचा है। वह क्षेत्र, या एक नया वाहन खरीदना।

इसके अलावा, कोई भी इंटरऑपरेबिलिटी उपभोक्ता के लिए बैटरी स्वैपिंग ऑपरेटरों के बीच चयन करने के लिए सीमित लचीलेपन की ओर नहीं ले जाएगी, क्योंकि पहले मूवर्स ने शुरुआती चरण में ही ओईएम के साथ टाई-अप बनाकर एकाधिकार बना लिया होगा। इसके अलावा, चूंकि उपभोक्ता एक ऑपरेटर के साथ फंस गया है, ऑपरेटर सब्सक्रिप्शन मूल्य निर्धारित करेगा और उपभोक्ता के पास सिम-कार्ड के विपरीत इसका पालन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा, जहां एक ऑपरेटर से दूसरे ऑपरेटर में स्थानांतरित करना आसान होता है, इसके अलावा, सभी सिम-कार्ड एक ही आकार के होते हैं।

यह स्पष्ट रूप से उपभोक्ताओं के लिए असुविधा की एक तस्वीर पेश करता है। इसलिए, इस स्तर पर ही इन मुद्दों से निपटने के लिए एक तंत्र बनाने की जरूरत है। बाद के चरण में, एक बार जब संसाधन समाप्त हो जाते हैं, संपत्तियां तैनात की जाती हैं और पैसा खर्च किया जाता है, तो यह परिवर्तन तार्किक या संभव नहीं होगा। जहां तक नवाचार का संबंध है, सेल आयाम भिन्न हो सकते हैं, हालांकि, बाहरी बैटरी पैक आयामों को तय करने की आवश्यकता है। बाहरी आयामों को सेल के रूप में बदलाव किए बिना बैटरी असेंबलरों द्वारा प्रबंधित किया जा सकता है। वैसे भी, भारत में कोई भी बैटरी असेंबलर सेल का निर्माण नहीं करता है, वे केवल आयातित सेल को इकट्ठा करते हैं। इसके अलावा, अगर हम किसी दूसरे देश में सबसे सफल बैटरी स्वैपिंग ऑपरेटरों में से एक का उदाहरण लेते हैं, तो यह देखा जा सकता है कि उसी बैटरी आयाम में उन्होंने बैटरी रेंज को दोगुना कर दिया है, और भविष्य में इसे और भी बढ़ाने की घोषणा की है। न्यूनतम परिसंपत्ति परिनियोजन के साथ, संपत्ति के उपयोग को अधिकतम करने का यह एक शानदार तरीका है।

मधुर वाणी और चेहरे पर मुस्कान

पिंकी सिंघल
अध्यापिका
शालीमार बाग दिल्ली

मनुष्य जीवन भगवान द्वारा की गई सबसे बड़ी नेमत है जिसके लिए हम सभी को उस परमपिता परमेश्वर का हर पल शुक्रिया अदा करना चाहिए जिन्होंने हमारे कर्मों के हिसाब से हमें मानव जीवन बख्शा है। परंतु,केवल मानव जीवन पा लेना ही पर्याप्त नहीं है, मानव जीवन पा लेने के बाद अच्छे कर्म करना और अपने समाज, राष्ट्र और पूरे विश्व के विकास के लिए अपना यथासंभव योगदान करना भी मानवीयता की सबसे पहली शर्त है। अच्छे कर्मों के साथ-साथ प्रत्येक मनुष्य का सबसे प्रथम दायित्व अपने प्रति होता है और अपने प्रति दायित्व का जो भी व्यक्ति जिम्मेदारी से निर्वहन कर लेता है वह व्यक्ति अपने और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने में कभी असफल नहीं होता, यह सब प्रतिशत सत्य है।

जिम्मेदारी की भावना का हम सभी में होना अत्यंत आवश्यक है ।कहा भी तो जाता है ना कि चैरिटी बिगिंस फ्रॉम होम अर्थात कोई भी अच्छा कार्य या कोई भी नेक काम हमें अपने से शुरू करना चाहिए। केवल उपदेश दे देना भर ही पर्याप्त नहीं होता है, व्यवहारिक होना भी उतना ही आवश्यक है। अपने प्रति हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य यह माना जाता है कि हम स्वयं को प्रसन्न रखें, संतुष्ट रखें और अपने लिए दिन भर में थोड़ा सा समय अवश्य निकालें।

यह तो बात रही जिम्मेदारियों की, कर्तव्यों की ,दायित्वों की जिन्हें निभाने में हमें कुछ खर्च करने की आवश्यकता नहीं होती है, केवल जिम्मेदारी का अहसास भर होना ही काफी होता है। इसी के साथ साथ हमें खुद को खुश रखने की हर संभव कोशिश भी करनी चाहिए। दुख सुख हम सबके जीवन में आते जाते रहते हैं। निसंदेह हम खुशियों में सुख का अनुभव करते हैं और दुख आने पर मायूस और उदास हो जाते हैं, किंतु हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सुख और दुख क्षणिक होते हैं ,सुख में अधिक खुश होना और दुख में अधिक मायूस होना सही नहीं। यह सत्य है कि खुशियों को जी भर के मनाना चाहिए, सब के साथ में मनाना चाहिए । परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि हमें मस्तिष्क में हमेशा यह बात करनी चाहिए कि कोई भी पल स्थाई नहीं होता।

हमारे जीवन में खुशियों और दुखों का आना जाना निरंतर लगा रहता है। कोई भी स्थिति कभी स्थाई रूप से हमारे जीवन में नहीं ठहरती ।जिस प्रकार प्रकृति ने दिन-रात ,सर्दी गर्मी ,जन्म मृत्यु को बनाया है, उसी प्रकार हमारे जीवन में भी सुख और दुख, खुशी और गम के लम्हे भी दिए हैं। अब यह हम पर निर्भर करता है कि हम उन खुशियों में खुद को कितना सराबोर करें ,अपने जीवन के प्रत्येक क्षण का किस प्रकार आनंद लें अपने चेहरे पर किस प्रकार मुस्कान सजाए रखें और अपने हंसते हुए चेहरे से अपने आसपास के वातावरण को कैसे खुशनुमा बनाएं।

यह बात तो हम सभी जानते हैं कि हंसता हुआ चेहरा और होठों पर सजी मधुर मुस्कान बड़ी से बड़ी मुश्किलों को पल भर में हल कर देती है ।यह भी संभव है कि कभी कभी किसी की हल्की सी मुस्कान हमारे जीवन में अत्यधिक मायने रखती हो। जिन लोगों में हमें अपनापन नजर आता है ,जिन लोगों को हम खुद से अधिक चाहते हैं उनके चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए हम हद से गुजर जाने के लिए भी तैयार रहते हैं।

उदाहरण के लिए एक मां के लिए उसके बच्चे की खुशी से बढ़कर कुछ नहीं होता जिसके लिए वह अपना सर्वस्व दांव पर लगा देने से भी नहीं चूकती। माता पिता के लिए उनकी संतान ही सबसे महत्वपूर्ण होती है जिसके लिए वे अपनी खुशियों तक को नजरअंदाज कर देते हैं और अपने बच्चे की खुशियों को हर पल बढ़ाने का हर संभव प्रयास करते हैं ।इसी प्रकार अन्य अनेक रिश्ते हैं जिनमें हम अपने से अधिक अपनों की खुशियों की परवाह करते हैं ।

हंसता हुआ चेहरा हमें अपनी ओर आकृष्ट करता है इस बात से हम इंकार नहीं कर सकते ।दिलों के भीतर किसके क्या है ,कितना गम है उसको छुपा कर भी अपने चेहरे पर मधुर मुस्कान रखने वालों की कोई मिसाल नहीं दी जा सकती क्योंकि इस प्रकार के व्यक्ति अपने दुखों को सुखों और अपनों की खुशियों पर हावी नहीं होने देना चाहते इसलिए वे अपने चेहरे सदैव एक मधुर मुस्कान सजाए रखते हैं।

व्यक्तिगत तौर पर मुझे तो हमेशा यही लगता है कि मुस्कुराता हुआ चेहरा ईश्वर प्रदत्त वरदान होता है जो दूसरों के दुखों को पल में हर लेता है और हमें एक अजीब सा सुखद सुकून मिलता है। मुस्कान हम सभी को निशुल्क मिली है इसके लिए ईश्वर ने हमसे कुछ शुल्क नहीं लिया, प्रकृति भी हमें हर पल मुस्कुराने की प्रेरणा देती है। इतना सब होने के बावजूद भी यदि हम मुस्कुराने में ,हंसने में कंजूसी

करते हैं तो अप्रत्यक्ष रूप से हम अपने खूबसूरत जीवन को निराशा में तब्दील करने का ही प्रयास करते हैं।

हमें मुस्कुराहटों को बांटना चाहिए ना कि उन्हें अपने तक सीमित रखना चाहिए। याद रखिए, खुशियां बांटने से बढ़ती हैं और गम बांटने से कम हो जाते हैं इसलिए सदैव मुस्कुराएं और अपने आसपास के लोगों को भी मुस्कुराने के अवसर प्रदान करें। मुस्कुराने से हमारे जीवन का सफ़र अत्यधिक सरल हो जाता है, इसी भाव पर आधारित मेरी कुछ स्वरचित पंक्तियां:

किसी को कुछ दे पाओ
या ना दे पाओ यारों
चेहरे पर मुस्कुराहट का
सब के इंतजाम कर देना

ये ज़िन्दगी मिलती नहीं है
बार बार ए मेरे दोस्तों
कोई मांगे तुमसे जो कुछ हंस के
बेहिचक ये जां उनके नाम कर देना

उल्फत में सितारों की चांद
खुद को रातों में जगाता है
चांदनी जब हंस के मिलती है
उस पर अपना वो सब कुछ लुटाता है

लबों को कितना आकर्षक सिर्फ़
इक मुस्कुराहट बनाती है
किसी को देकर तो देखो हंसी यारों
वो होकर दुगुना वापिस लौट आती है

बंगले गाड़ी कार तो है
आसां बहुत ही मिलना
कभी कर पाओ जो कुछ सच में
ये मधुर मुस्कान जग के नाम कर जाना

मुस्कान तो कुदरत का बस
एक नायाब तोहफा होता है
जिसको मिलता है ना जग में ये
वो बेहद किस्मत वाला होता है

अपनों के अधरों की मुस्कान पर
एक नहीं सौ दिल कुर्बान
हंसते रहो जो हर राह पर चलकर
ज़िन्दगी का सफ़र फ़िर हो जाए आसान

जी हां मित्रों,दुनिया में ऐसा कोई भी शख्स नहीं जिसके जीवन में केवल और केवल खुशियां ही हों। सुख और दुख तो क्षणिक होते हैं ।सुख के बाद दुख और दुख के बाद सुख का आना उतना ही सच है जितना दिन के बाद रात और रात के बाद दिन का आना इसलिए हमें सुख और दुख दोनों ही परिस्थितियों में समभाव रखना चाहिए ।न ही खुशियों में उन्मादी हो जाना चाहिए और न ही दुखों में अवसाद की स्थिति में चले जाना चाहिए। संतुलन बनाते हुए जिंदगी को जीना ही जीवन है। हंसता हुआ चेहरा गुलाब के फूल की तरह खिला-खिला नज़र आता है। मुस्कान हमारे चेहरे की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देती है इसलिए सदैव मुस्कुराए और दूसरों को भी मुस्कुराने के लिए प्रेरित करें ,प्रोत्साहित करें ।छोटी-छोटी मुस्कुराहटें निश्चित ही किसी दिन हमारे भाग्य के द्वार खोलेंगी, इस भाव के साथ हमें खुशियों को आमंत्रण देना चाहिए और जीवन में उमंग का संचार करना चाहिए। बड़ी से बड़ी मुश्किलों का सामना चेहरे की खुशी के साथ और मजबूत हौंसलों के साथ करना हमें आना चाहिए।

जिस प्रकार मुस्कुराता हुआ चेहरा हमारे जीवन से निराशा को दूर करता है उसी प्रकार मीठी वाणी बोलने से भी हमारे अधिकतर दुख और परेशानियां खत्म हो जाते हैं ।मीठी वाणी बोलना हमारे अपने हाथ में है। जिस प्रकार ईश्वर ने हमें मुस्कुराहटें निशुल्क प्रदान की हैं, उसी प्रकार मीठी वाणी बोलने का हुनर भी दिया है और हमें अपने उस हुनर को प्रतिदिन प्रतिफल पॉलिश करना आना चाहिए। दूसरों से हमेशा प्यार से , स्नेह से मीठा बोलना चाहिए ।मीठी वाणी बोलने का जितना प्रभाव दूसरों पर पड़ता है उससे दोगुना हमारे व्यक्तित्व में निखार लाने में सहायक होता है । अपने रोजमर्रा के जीवन में हम देखते हैं कि जो व्यक्ति सभी से मधुर व्यवहार रखता है, मीठी वाणी बोलता है वह दूसरों पर अमिट छाप छोड़ जाता है, वहीं दूसरी ओर कड़वा बोलने वाला व्यक्ति उपेक्षा का शिकार होता है।

दूसरे व्यक्ति उस से केवल औपचारिक रिश्ते रखते हैं और यथासंभव दूरी बनाने का भी प्रयास करते हैं। कटु शब्द हमारे हृदय को चीर जाते हैं और मीठी वाणी हमारे हृदय को गदगद कर देती है मीठी वाणी बोलने वालों का सानिध्य हम सभी पाना चाहते हैं इसलिए हमें हमेशा ऐसे शब्द बोलने चाहिएं जिन शब्दों को बोलकर हमें आप संतुष्टि का अनुभव हो एवं जिन्हें सुनकर दूसरों के जीवन में खुशियां आएं, उनके चेहरे पर मुस्कान आए ,न कि ऐसे शब्द जो दूसरों को तकलीफ दें, दुख दें, उनकी आंखों में आंसू लाएं।

हमेशा यह ध्यान रखना चाहिए कि जिस प्रकार की वाणी हम दूसरों से सुनना चाहते हैं ,दूसरे भी हमसे उसी वाणी उसी व्यवहार की अपेक्षा रखते हैं ,इसलिए सदैव कम बोलें, धीमा बोलें,परंतु मधुर बोलें। इस बात से तो हम सभी सरोकार रखते हैं कि मीठी वाणी बोलने वालों के सानिध्य से ,उनके साथ कार्य करने से हमें सुखद अनुभूति होती है ,अच्छा महसूस होता है ।मीठी वाणी बोलने वाले परायों को भी अपना बना लेते हैं, इसी भाव पर मेरी स्वरचित पंक्तियां काफी कुछ कह जाती हैं:

मन से निकले उदगार है वाणी
मस्तिष्क में उठते विचार है वाणी
वाणी से है होती पहचान हमारी
वचनों का सारा ही सार है वाणी

मीठी वाणी सबको अपना बनवाती
कड़वी वाणी न किसी को भाती
बिन बोले कोई क्या जाने किसको
वाणी व्यक्तित्व से परिचय करवाती

मधुर बोल दुख हरते सबके
घोलें मधुररस जीवन में सबके
कटु शब्द भी व्यर्थ न जाते
दिल में शूल से चुभते सबके

पहले तोलो तुम बाद में बोलो
जब भी बोलो बस मीठा बोलो
मधुर मुस्कान तुम रख चेहरे पर
बंद कपाट के द्वार भी खोलो

मुस्कान और मीठी वाणी हमारे व्यक्तित्व के ऐसे दो महत्वपूर्ण पहलू होते हैं जो हमारे व्यक्तित्व के विकास में अत्यधिक सहायक होते हैं ।अपने व्यक्तित्व को सजाने , संवारने और निखारने के लिए हमें अपने चेहरे पर वास्तविक अर्थों में मुस्कान रखनी चाहिए। दूसरों को दिखाने के लिए नहीं, अपितु खुद को अच्छा महसूस करवाने के लिए भी हमें सदैव मुस्कुराना चाहिए और अपने शब्दों से दूसरों के दिलों पर राज करना चाहिए ।इसके लिए हमें ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं ।हमें सिर्फ और सिर्फ अपना व्यवहार अच्छा बनाना होगा और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा ।सकारात्मक सोच रखने के बाद हमें कुछ भी एक्स्ट्रा प्रयास करने की जरूरत नहीं पड़ेगी हमारी सोच स्वत: ही हमारे व्यक्तित्व को उस मुकाम तक ले जाएगी जहां पहुंचकर हमें गजब का आत्म संतोष मिलेगा और हम अपने परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व के लिए काफी कुछ बेहतर सोच पाएंगे तथा अपनी उस सुंदर सोच को क्रियान्वित कर पाएंगे।

गर्मी की धूप-गाँव और शहर की

सुभाष चन्द्रा
गोमती नगर, लखनऊ

बचपन में देखा था,
गाँव मे दोपहर की धूप,
हल से जुते बैल और किसान
नंगे पैर रेतीली धरती पर, गुनगुनाते चलते लोग।
आम के बागों में, जामुन के पेडों की छांव में
सुस्ताते थक कर बैठे लोगों को
सत्तू घोलकर पीते हुए
रहट -कुंये का ठंडा पानी पी
गमछों को भिगों सर पर लपेटे हुये लोग।

डोली लिये कहार
अक्सर पड़ाव यहीं डालते थे
खपरैल वाले घर आंगन मे
शाम को दरवाजे-ओसारे की
मिट्टी पर पानी का छिड़काव
और रात मे खुले आसमान के नीचे
बिछी खाट-ठंडी हवा, कितनी मस्त नींद आती थी।
अब मेरे शहर में भी धूप वैसी ही है
पर लू पहले की तरह नहीं चलती
बड़े बड़े अट्टालिकाओं से रास्ता नहीं पाती
पहले सिलींग फैन, टेबल फैन, हाथ के बने पंखों
कूलर के बड़े पंखे पसीना सुखाते थे
आम का पना,शिंकजी, आइसक्रीम/बर्फ का गोला
शरीर को तरावट राहत देते थे।

अब घर-कार-आफिस-माल-रेस्तरां
सभी जगह एसी है, वातानुकूलित कारों मे
ट्रेनों मे भागते लोगों को पसीना नहीं आता
उमस होती है, दम घुटता है
माचिस डब्बों वाले फ्लैटों में।
पसीना देखना हो तो सिर्फ मजदूरों के
रिक्शे चालकों और रेहड़ियों वालों के
अंदर झांके वादे परोसे गये मलिन बस्ती
झोपड़पट्टी वालों से मिलें
चिलचिलाती धूप मे छांव ढूढते लोगों के शरीर से
चिपके वस्त्रों को देखें।

अब छतों पर पानी छिड़के नहीं जाते
लोग वहाँ नहीं सोते, डरते हैं
अब वहाँ गमले होते हैं
जिसमें मौसमी फूलों के साथ
नफ़रत बोये और उगाये जाते हैं
अब वहाँ पत्थर-ईंट होते हैं
गाहे बगाहे जो उन्माद फैलाने के लिए
गुजरते हुये जुलूसों पर बरसाये जाते हैं।

धरती पर ईश्वर रूप

शुक्रिया किन लफ़्ज़ों में करूँ आपका,
ये जिस्म तो आप सबका कर्जदार है।
ये साँसें भी अगर चल रही,
ये रुधिर भी अगर दौड़ रहा तन में
ये आप सबका ही प्रयास है।
दर्द तकलीफ जब भी बढ़ी,
माँ पापा की आस आप सब से जुड़ी।
उनकी दृष्टि आप सब तक कई
आपके ज्ञान का ही प्रभाव है,
ये आपके कर्म का प्रमाण है।

रात व्यथा में थी नही कटती,
तन में थी असह्य पीड़ा,
नहीं कोई हल निकल रहा था,
आपके शरण में आई,
आपकी जादुई मेहनत का खुशरंग होना
मेरे लिए वरदान है।
दिन-रात आपकी अथक मेहनत,
तजुर्बे के लिए कई वर्षों की साधना।
जिससे लोग दूर भागते,
उनके बीच ही रहकर सेवा
ये आप सब का कमाल है।

चौबीस घंटे की लगातार ड्यूटी,
इमरजेंसी में तुरंत हाजिर,
तीज त्योहारों में भी नही छुट्टी,
मित्र रिश्तेदारों के हर वक्त सलाहकार,
आप का ये धैर्य बेमिसाल है।
नहीं छुआछूत का कोई डर है,
नहीं संक्रमण की कोई चिंता,
बस एक फिक्र कैसे अधरों पर मुस्कान लौटाए,
कैसे डूबती साँसों को लौटाए,
स्वस्थ जीवन हो सभी का
यह आपका प्रसार है।

शुक्रिया नहीं लगता है काफी,
आपके इस निःस्वार्थ ,निश्छल कर्म के लिए
धरती पर ईश्वर स्वरूप आप
ईश्वर के दूत हम सबके लिए वरदान है।

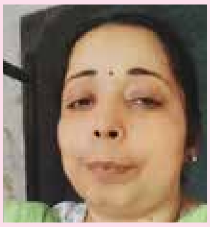

रुचिका राय
सिवान, बिहार

तय है

रजनी उपाध्याय
अनुपपुर, मध्यप्रदेश

जनता जब जिधर चाहेगी
हवा का रुख मुड़ जाना तय है
ताकत इसकी जब परखोगे
सिंहासन से गिर जाना तय है।

कहीं आग तो दबी हुई है
क्षितिज कहीं तो धुआं धुआं है
मौन बनेगी बंदी जब-जब
हाहाकार उठ जाना तय है।

उठते - फूटते बुलबुले नहीं हैं
भूमंडल की शान समझना
मिट्टी की कीमत समझाने
आकाश तक चढ़ जाना तय है।

बदल रहा है समय का पहिया
भृकुटी जनता ने टेढ़ी की है
जय जनतंत्र ना हो पाया तो
शीश मुकुट उड़ जाना तय है।

करे श्रृंगार जो स्वेद कणों से
धरा को सिंचे शाम- सवेरे
ऐसी जनता का स्वप्न जला तो
गर्व देश का जल जाना तय है

कठिन काल की मार सही
मुख से पीड़ा ना कहती है
मिट्टी से देव जगाने वाला
जाग गया तो...
तेरा डर जाना तय है।

कविता, लघुकथा, कहानी, लेख आप भी भेज सकते हैं। संपादक मंडल अगर चयनित करते हैं तो बैटरी व्यापार में प्रकाशित होंगे।
नीचे दिए गए ई-मेल आईडी पर मेल करें :
info@batterybusiness.in

पति के दिल का रास्ता

आखिरकार वो घड़ी भी आ ही गई जिसकी कल्पनामात्र से जूही कांप उठती थी। वो तलाक के नाम से ही सिहर उठती थी। शादी से पहले जब कभी भी तलाक की बात होती थी तो वह एक ही बात सबसे कहती, " मैं तो अपने पति से इतना प्यार करूगी, इतना ख्याल रखूगी की गलती से भी तलाक का ख्याल भी अपने मन में नही लाएगा"। और फिर अगले ही पल कहती कि कैसे लोग होते होगे जो तलाक लेते हैं? यदि उन्हे शादी निभानी न हो तो शादी न करें ? तलाक देकर सामनेवाले की जिंदगी तो न बरबाद करे? ये अपराध है।

शादी से पहले जो भी खामी लड़की में ढूंढनी है ढूंढ ले, शादी के बाद लड़की में मीन मेख निकालना कहाँ का न्याय है? कोई भी इंसान सर्वगुणसम्पन्न नही होता ये बात शादी के बाद भी तो याद रखनी चाहिए। जूही की विदाई के वक्त मां ने जोर देकर कहा था, "पति के दिल का रास्ता पति के पेट से होकर जाता है, समीर के खाने पीने का ध्यान अच्छे से रखना, सास ससुर की सेवा करना, समीर को खुश रखना।"

जूही ने मां की बात गाठ बांध ली। ससुराल में पहले दिन से ही जूही अपनी जिम्मेदारीयों को निभाना शुरू कर दिया. आठ बजे सो कर उठने वाली जूही सुबह पांच बजे उठकर घर के कामों में लग जाती। सारे घर की देखभाल करना, साफ सफाई का ध्यान रखना समीर के माता पिता का ध्यान रखना सब जूही ने संभाल लिया था। समीर के लिए बेड टी बनाना, समीर के लिए ब्रेकफास्ट बनाना, समीर के लिए लंच तैयार करना, समीर के कपड़े तैयार करना, समीर के लिए लंच पैक करना, समीर की पसंद के अनुसार खाना पकाना, समीर के पसंद के अनुसार कपड़े इस्त्री करना जूही की दिनचर्या बन चुकी थी।

जूही की सारी दिनचर्या समीर के आसपास ही थी उसके बाद जो वक्त मिलता उससे वह अपने सास-ससुर की सेवा करती और फिर अंत में अपने आप पर थोड़ा बहुत ध्यान देती। श्रृगार करना तो जैसे जूही भूल ही गई थी। सारा काम खत्म होने के बाद जूही के पास इतना वक्त नहीं मिलता था कि वह खुद पर ध्यान ध्यान दे।

समीर बीच-बीच जूही को टोका करता था, "घर को संवारने और खाना पकाने में तुम्हारा जबाब नही, तुम सबका ध्यान भी रखती हो,सब ठीक है पर खुद पर भी तो ध्यान दिया करो, घर के कामों में इतना व्यस्त रहती हो कि तुम खुद पर ध्यान ही नहीं देती हो। तुम्हारे बाल हमेशा भी बिखरे होते हैं तुम्हारे कपड़े भी अस्त-व्यस्त होते हैं अच्छा लगता है क्या? थोड़ा सज सवंरकर रहा करो यार मुझे भी सुंदर पत्नी ख्वाइश थी। सुंदर तो तुम हो परंतु, तुम अपनी सुंदरता को अपने काम के आड़ में छुपा लेती हो मुझसे यह सहन नहीं होता हैं।थोड़ा खुद पर ध्यान दिया करो।"

जूही समीर की इन बातों को हल्के में लेती थी, उसे लगता था कि समीर मुझसे पूरी तरह खुश हैं क्योंकि घर में किसी तरह का कोई क्लेश नहीं था किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं थी। जूही को लगता था कि घर वाले खुश हैं तो फिर क्या चिन्ता।

जूही का समीर की बातों को हल्के में लेना ही जूही के लिए मुसीबत बन गया। जूही को पता ही नहीं चला कि उसके बन ठन कर नहीं रहने के कारण समीर धीरे-धीरे उसे मन से उतारता जा रहा है? समीर को एक सजी सवंरी आधुनिक वेष भूषा वाली पत्नी चाहिए थी ना कि, घर के कामों में व्यस्त रहने वाले बहनजी जैसी बीवी।

वक्त बितता रहा, देखते-देखते जूही दो बच्चों की मां बन गई और उसकी व्यस्तता दिन ब दिन बढती चली गई। समीर की असंतोष की भावना भी बढ़ता चला गया।

चाहकर भी जूही अपने लिए वक्त नहीं निकाल पाती थी। घर की दिनचर्या में व्यस्त रहना जैसे उसकी आदत बन चुकी थी और समीर का चिड़चिड़ा बर्दाश्त करने की आदत पड़ चुकी थी । परंतु उसे यह अंदाजा नहीं था की इसी लापरवाही की वजह से समीर उसे एक दिन तलाक दे देगा। वह दिन उसके सामने था, जिसकी कल्पना जूही ने कभी नहीं की थी। जूही की मां ने कहा था, पति के दिल का रास्ता पति के पेट से होकर जाता है परंतु, यह नहीं कहा था कि, पति के दिल का रास्ता पति की आंखों से भी होकर जाता है।

सुनीता सिंह

परिन्दे

"मोहिनी ओ मोहिनी !अरी कहां है तू?"अपनी सास की कर्कश आवाज सुनकर वह दोनों पंछियों को हाथ में संभालती हुई भागकर उनके पास आकर बोली"क्या हुआ मम्मी जी?"

अरे तुम पूरे दिन इन परिंदों में लगी रहोगी या घर का कुछ काम भी करोगी? फटकार लगाती हुई सुमित्रा जी ने अपनी विधवा बहू मोहिनी से कहा।

मम्मी जी! मैं इन्हें नहला रहीं थी। बहुत गर्मी है ना, बेचारे परेशान हो रहे थे। वह उन प्यारे-प्यारे पंछियों को प्यार से सहलाती हुई बोली।

"चल जा ज्यादा जुबान मत चला इन्हें पिंजरे में बंद कर, मेरे लिए शिकंजी बनाकर ले आ।"

मोहिनी ने दोनों पंछियों को पिंजरे के अंदर करके बोली"अभी तुम लोग अपने घर के अंदर जाओ।" दोनों पंछियों ने टें-टें बोल कर अपना विरोध जताने लगे।देखो नाराज मत होओं। मेरा और तुम्हारा हाल बिल्कुल एक जैसा है। कहकर मोहिनी ने पिंजरे की कुंडी लगाने लगी।

पीले रंग के पंछी ने अपने पंजों से मोहिनी का हाथ पकड़कर अभी उसके साथ खेलने के लिए गुजारिश कर रहा था।गुलाबी रंग वाले ने अपने पंख को बार-बार पिंजरे के तार से टकराकर अपना विरोध जता रहा था। वे दोनों अभी मोहिनी के साथ खेलना चाह रहे थे। मोहिनी उन दोनों को पुचकार कर फुसफुसाती हुई बोली। देखो! मैं समझती हूं तुम्हारी बात परंतु अभी दादी गुस्सा करेंगी। उसने पिंजरे को खिड़की के पास ले जाकर टांग दी। फिर रसोई में जाकर शिकंजी बनाने लगी। दोनों पंछियों ने जोर-जोर से टें-टें कर,जैसे उसे बुलाने लगे।मोहिनी उन्हें देखकर बोली बेटा !पिंजरे में केवल तुम हीं नहीं हो, मैं भी हूं। मेरा पिंजरा तुम्हें दिखता नहीं है।कहते-कहते उसके आंखों से आंसू टपक पड़े। फिर बोली तुम्हें याद है ना कितनी मिन्नते करने के बाद रोहन ने तुम दोनों को मुझे दिलाया था।उसके जाने के बाद तो मम्मी जी का रवैया भी इतना बदल गया है जैसे रोहन मेरा पति नहीं था केवल उनका बेटा ही था।उसने अपने आंसुओं को पोंछ कर शिकंजी लेकर सुमित्रा जी के पास पहुंची।

सुमित्रा जी, टीवी देखते-देखते झपकी लेने लगी थी।"मम्मी जी शिकंजी।"मोहिनी की आवाज पर वह चीख कर बोली। शिकंजी बना रही थी या बीरबल की खिचड़ी। मुझे नहीं पीनी। ले जा खुद ही पी ले। मोहिनी शिकंजी लिए खड़ी रही।

अरे! अब जा क्यों नहीं रही है? मेरे सिर पर सवार रहेगी क्या?

मोहिनी की आंखों से क्रोध, क्षोभ और अपमान के आंसू झरने लगे। वह शिकंजी को रसोई में रखकर अपने कमरे में जाकर लेट गई।थोड़ी देर बाद पंछियों का खाना रखने के लिए गयी तो देखा सुबह का रखा हुआ खाना भी उन दोनों ने नहीं खाया है।ओय! तुम दोनों ने अभी तक खाना खत्म नहीं किया।उन दोनों ने आंखें खोल कर मोहिनी को एक बार देखकर पुनः आंखें बंद कर लिया। आज उमस भरी गर्मी है, इस लिए खाने का मन नहीं कर रहा है तुम्हारा? मेरा भी सिर फटने को हो रहा है।कहते हुए उसने सुमित्रा जी के कमरे में झांककर देखा। वह हाथ में माला लिए जप कर रही थी।

अपनी उजबूजाहट से निजात पाने के लिए वह खिड़की खोलकर बाहर देखने लगी। खुला नीला आसमान,मंद ठंडी हवाएं और ऊंची उड़ान भरते हुए पंछियों को देखकर उसे भी खुले आसमान में उड़ने का मन हो आया। उसने पलट कर देखा दोनों तोते यूं ही बैठे थे।वह झट से जाकर पिंजरा खोल दी और आसमान की ओर इशारा करके बोली तुम तो मुक्त हो जाओ। तुम्हारे पास पंख हैं मेरे पास कोई पंख नहीं।तुम क्यों कैद में रहो। उसने दोनों पंछियों को खिड़की के बाहर आसमान की ओर उड़ा दिया। दोनों अपने पर फरफराते हुए उन्मुक्त हो उड़ चलें।उन्हें इस तरह उड़ते देखकर मोहिनी आनंद से भर गई।उसे आज की शाम, बादलों का खिलवाड़,खुला आसमान सब पुलकित करने लगे,जैसे उन पंछियों के साथ वह भी पिंजरे से मुक्त हो गई हो।

निशा भास्कर
(शिक्षिका)
साधनगर, पालम कोलोनी
नयी दिल्ली -45

बोलती तस्वीर

अक्सर अपने गम को छुपाती है स्त्रियां।
कोई ना समझ सके उसके अंतर्मन को
ऐसे मुस्कुराती है स्त्रियां।

पिहर से मिले संस्कार कभी नहीं भूलाती है स्त्रियां।
ससुराल में उसी को निभाती है स्त्रियां
परायों पर अपनत्व लुटाती है स्त्रियां।

चंचल हिरणी सी आंखों मे अब पहले जैसी
शरारतें नही दिखती उनकी,
ना जाने कौन सा राज छुपाती है स्त्रियां।

क्यों उनकी आँखे अब बेबसी के गुण गाती है,
बदन पर दिखते निशां क्यों वो बार-बार छुपाती है
क्यों उसने अपने होंठ सी लिए ,चुप रहकर सब
ठीक हो जाएगा ऐसा क्यो सोचती है स्त्रियां।

उसे क्या पता था बेटी से बहू का दर्दनाक होता है
कभी खुशी तो कभी गम होता है
निज सपनों कोरौंद दूसरों के सपनों में जीना होता है।

निर्मला सिन्हा
समाज सेविका

याद

हौल हौले वक्त गुजरता गया।
पर तेरी याद मेरे दिल में
आज भी सन छत्तीस की तरह ही समाई है ।
याद आ रही तुम्हारी
हसरतें दिल में हलचल मचाई है ॥
धड़कते दिल की आवाज यूँ लगती है
मानो,धौकनी किसी चूल्हे की ।
सिर्फ यादें ही नही बल्कि तुम्हारी
मस्तिष्क में इस कदर समाई है ॥

आखें बंद हो या खुली,
दिलो दिमाग में सिर्फ तुम ही तुम छाये हो।
तुम भूल सकते हो मुझे,
पर तुम तो ना इस मन से भुलाये हो ॥
हसरतें बलवती हो पंख फैलाने लगती हैं।
याद आते ही तुम्हारी दिल मचलने लगता है।
मन खुले आसमां में
तितली बन उड़ने को करने लगता है ॥

पर तभी दिल में एक आहट सी होती है,
और मन ठिठक जाता है।
बच्चों के चेहरे सामने आ जाते है।
तभी दिल दस्तक देता है
ऐ मन तू सम्भल जा,
तेरी उम्र उड़ने की नहीं बल्कि उड़ाने की है।

अनीता श्रीवास्तव
गाजियाबाद
उत्तर प्रदेश

कांक्रीट जैसे पाँव

किसी से भी मत करिये, रमेश झूठी बात
पोल खुलेंगी आपकी, तब खाओगे मात।
सच्चे का हरदम करें, मिलकर ही सम्मान
सुख मिले तुझको उससे, एक दिन ही श्री मान।

आदमी का बदल गया, कितना अब स्वभाव
बात-बात में ही उसे, आता रमेश ताव।
जिसके पास सदा रहे, प्रेम भरा हथियार
औरों से करता वही, अच्छा सा व्यवहार।

जो भी करता आपसे, रमेश सच्चा प्यार
बदले में स्वभाव का, दे उसको उपहार।
पूछ रही चौपाल भी, गाँव से यह सवाल
अब क्यों सूनी हो गई, मेरी ये चौपाल।

पहले जैसी ना रही, लोगों में अब बात
आपस में करने लगे, रमेश देखो घात।
राजनीति को मिल गई, देखो ये सौगात
इसकी चपेट में सभी, आये है देहात।

हरदम ही जहाँ खिलते, नागफनी के फूल
वहाँ जाने की न करें, आप कभी भी भूल।
कहाँ रहा हैं अब यहाँ, अपनेपन का गाँव
हरेक के ही हो गये, कंक्रीट जैसे पाँव।

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा
जिला रतलाम (म.प्र.)
पिन -457226

बैटरी व्यापार
Battery Business
digital magazine | web news

लाखों पाठक
देखें आपका विज्ञापन

info@batterybusiness.in www.batterybusiness.in

हौसला

कहोगे प्यार से तो शाखों की मानिंद झुक जाएँगे
हौले से गर पुकारोगे तो रुक जाएँगे
करेंगे जान भी निसार गोया दिल चीज़ क्या है
वफ़ा गर वफ़ा से मिले तो बिक जाएँगे ।

बेरुखी अगर अख्तियार करोगे तुम
मेरे हौसलों की फिर परवाज़ देखोगे
जो सहती आई सतत धरती के सदृश
उस मौन धरती में भी फिर आवाज़ देखोगे ।

कमल को जो खिलाता था वही शांत सरोवर
प्रत्युत्तर में कीचड़ भी उछाल देता है
सदियों से खड़ा जो मौन हिमालय
गर छेड़ो तो रूप विकराल लेता है ।

जगत जननी है नदिया गर माँ सा पूजो तुम
किया दूषित उसे तो फिर प्रचण्ड होती है
सदियाँ गवाह है अगर पलटो कभी पन्ने
अपमानित हो तो सभ्यता खंड खंड होती है ।

गीतांजलि मृदुल

www.batterybusiness.in

बैटरी व्यापार
Battery Business
ऑनलाइन मासिक

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

सदस्यता प्रपत्र

फोटो

नाम ____________________

पता ____________________

पता ____________________ फोन ____________

मोबाइल ____________ ई-मेल ____________

दिनांक ____________ हस्ताक्षर ____________

विज्ञापन दर

पिछला आवरण	5000/- रुपये
प्रथम आवरण के पीछे	4000/- रुपये
पिछले आवरण के पीछे	4000/- रुपये

पूरा पृष्ठ	3000/- रुपये	आधा पृष्ठ	2000/- रुपये
चौथाई पृष्ठ	1500/- रुपये	न्यूनतम	1000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि

एक वर्ष	: 1200/- रुपये	दो वर्ष	: 1800/- रुपये
पांच वर्ष	: 4000/- रुपये	आजीवन	: 11000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि चैक/ड्राफ्ट "designworld" के नाम WZ-572N, BACK SIDE, NARAINA VILLAGE DELHI-110028 के पते पर भेजें।

ड्राफ्ट या चैक यस बैंक के नाम पर देय होगा।

Paytm, googlepay, phone pe No. **9582593779**

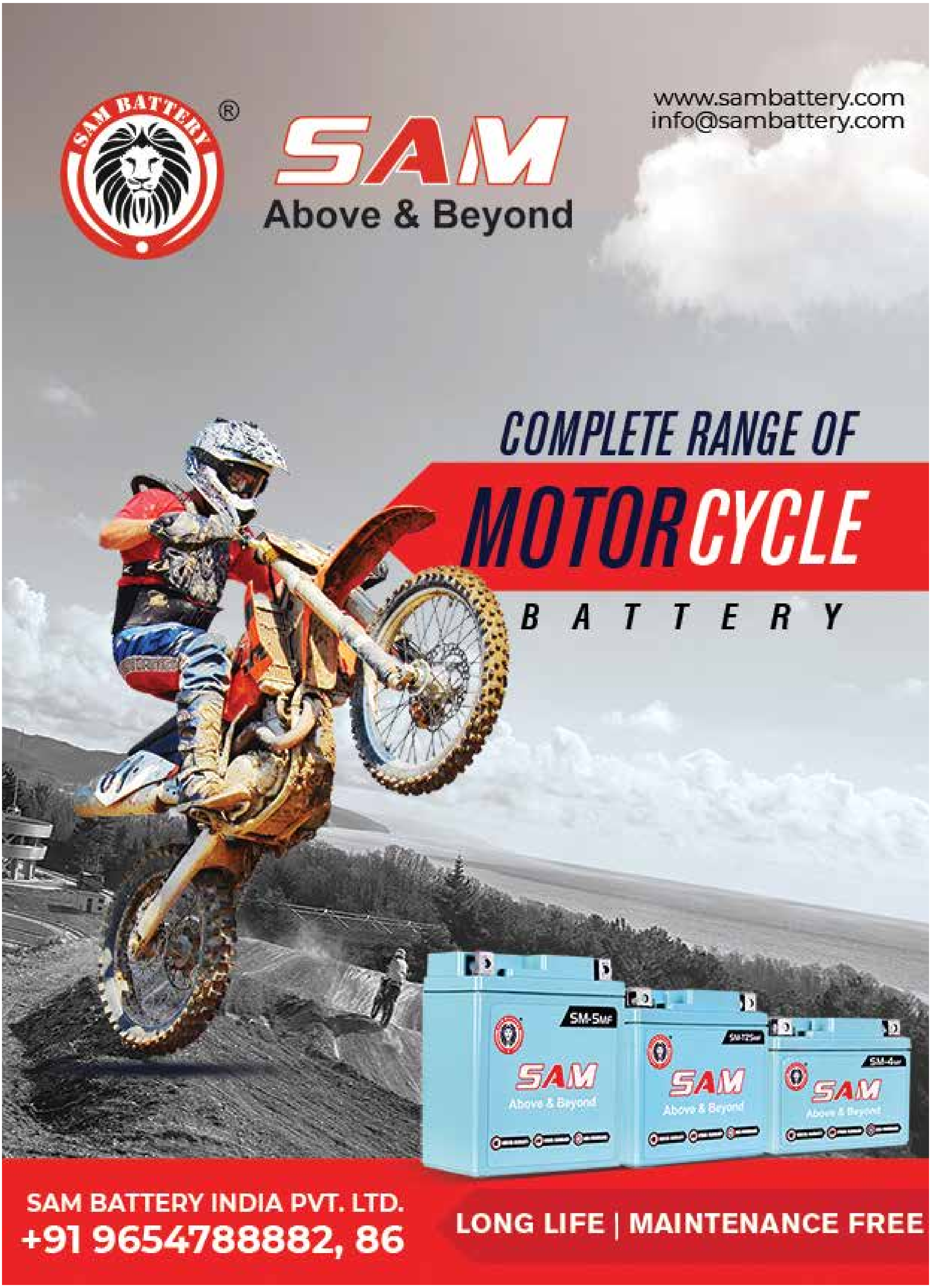
SAM BATTERY
SAM
Above & Beyond
www.sambattery.com
info@sambattery.com
COMPLETE RANGE OF
MOTORCYCLE
BATTERY
SM-5MF
SAM
Above & Beyond
SAM
Above & Beyond
SAM
Above & Beyond
SAM BATTERY INDIA PVT. LTD.
+91 9654788882, 86
LONG LIFE | MAINTENANCE FREE

बैटरी व्यापार
ऑनलाइन मासिक Battery Business
बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

Website : www.batterybusiness.in
Email : info@batterybusiness.in

staxxa® solar

Toll Free : 1800-891-3910

GO SOLAR WITH STAXXA SOLAR

HIGH POWER OUTPUT

Compared to normal module
the power output can increase 5W-1CW

Complete Range of High Efficiency Solar Panels available

Models

12V Poly Series :
40W, 50W, 75W, 100W, 160W

24V Poly Series :
335W, 350W

Monoperc 24V Series :
400W

SPECIAL 5 BUSBAR DESIGN

The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

IP67 RATED JUNCTION BOX

IP67

The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

Email : customercare@staxxasolar.com | Web : www.staxxasolar.com